इंदौर, शुक्रवार 06 फरवरी 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 87
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

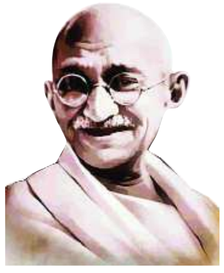
राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

डबल डेकर ब्रिज निर्माण की धीमी गति से...

पेज-2

नया एक्टिंग स्कूल खोला अनुपम ने

पेज-5

एलिवेटेड कॉरिडोर पर अभी रोक नहीं

पेज-6

गत वर्ष के मुकाबले दोगुना राशि जमा करने की जिम्मेदारी गोलू शुक्ला पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भारतीय जनता पार्टी ने इस बार आजीवन सहयोगी निधि के माध्यम से खजाना भरने की जिम्मेदारी शहर के विधायक गोलू शुक्ला को दी है। गत वर्ष यह जिम्मेदारी महापौर पुष्यमित्र भार्गव के पास थी। उन्होंने पार्टी के फंड में चार करोड़ रुपए जमा किए थे। हालांकि उनको कोई लक्ष्य नहीं दिया था, लेकिन इसके बावजूद भी उन्होंने उम्मीद से ज्यादा राशि एकत्रित की। चूंकि वर्तमान में गोलू शुक्ला पार्टी की लाइन लाईट में चल रहे हैं। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा से उनकी जुगलबंदी पक्की मानी जा रही है, जिसके चलते संगठन में भी भोपाल से लेकर इंदौर तक गोलू शुक्ला को पर्याप्त महत्व मिल रहा है। यही कारण है कि इस बार पार्टी ने आजीवन सहयोग निधि के माध्यम से राशि जुटाने का काम गोलू शुक्ला को दिया है और उन्हें गत वर्ष से दुगना टार्गेट दिया गया है। इस काम में गोलू शुक्ला को दो सहयोगी (मुकेश मंगल और हरप्रीतसिंह बख्शी) भी दिए गए हैं। यह सहयोगी है कि गोलू शुक्ला भी क्षेत्र क्र. 3 के विधायक है और दोनों सहयोगी भी क्षेत्र क्र. 3 के ही कार्यकर्ता है।

विदित है कि गत वर्ष विधायक गोलू शुक्ला ने आजीवन सहयोग निधि अभियान में सबसे पहले 51 लाख रुपए देने की घोषणा कर दी और उनकी इस घोषणा के बाद इंदौर के विधायकों में होड़ सी मच गई थी। नतीजतन संगठन को ही विधायकों के बीच मची इस होड़ को रोकना पड़ा और ऐलान करना पड़ा कि संगठन में तय राशि से ज्यादा किसी को नहीं देना है, लेकिन कुल मिलाकर गोलू शुक्ला ने ऐसा ऐलान कर पार्टी के समक्ष नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी यही दरियादिली देख पार्टी ने उन्हें पूरे अभियान का ही प्रभारी बना दिया।

भागीरथपुरा जल कांड ने बदली इंदौर की राजनीति की दिशा

कांग्रेस को दी नई धार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भागीरथपुरा के दूषित जल कांड ने न सिर्फ शहर को झकझोरा, बल्कि इंदौर की सियासत की दिशा भी बदल दी है। महापौर, विधानसभा और सांसद चुनाव में तो हारकर लंबे समय से निष्क्रिय और बिखरी नजर आ रही कांग्रेस को इस मुद्दे ने नई धार दे दी है।

सुस्त कांग्रेस महीनेभर से सड़कों पर, अब 'इंदौर बंद' की ओर बढ़ा आंदोलन

बीते एक-डेढ़ दशक में यह पहला अवसर है, जब कांग्रेस लगातार एक महीने से अधिक समय तक सड़कों पर डटी हुई है और आंदोलन की तीव्रता कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है। विरोध अब केवल शहर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्रामीण इलाकों तक फैल चुका है। अब कांग्रेस ने पूरा ध्यान इंदौर बंद की तरफ बढ़ा दिया है। नेताओं को अपने-अपने इलाकों की जिम्मेदारी दी जा रही है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि 3 जनवरी को जैसे ही भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों का मामला सामने आया, कांग्रेस नेताओं ने प्रभावित क्षेत्र का रुख किया। शुरुआती दौर में उन्हें क्षेत्र में प्रवेश से रोके जाने की घटनाएं भी हुईं। उस समय राजनीतिक गलियारों में यह माना जा रहा था कि कांग्रेस का विरोध कुछ दिनों में ठंडा पड़ जाएगा, लेकिन हुआ ठीक इसके उलट । प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिघार और प्रदेशभर के विधायक लगातार इंदौर में डटे रहे। इसके बाद राहुल गांधी के भागीरथपुरा पहुंचने से यह आंदोलन प्रदेश की सीमाओं से निकलकर राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गया। यही कारण है कि लोकसभा और राज्यसभा में यह मुद्दा उठ गया है। युवा कांग्रेस ने नगर निगम का घेराव कर इस साल का पहला बड़ा प्रदर्शन किया। इसके बाद मंगलवार को राजवाड़ा पर हुए धरने ने सियासी तस्वीर ही बदल दी। एक दशक में पहली बार राजवाड़ा पर इतनी बड़ी भीड़ जुटी, जिसमें शहर कांग्रेस, जिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस और सेवादल सभी एक मंच पर नजर आए। इसे कांग्रेस की जमीनी वापसी के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

स्पीकर ओम बिरला के दावे पर प्रियंका गांधी ने किया पलटवार

लोकसभा अध्यक्ष के पीछे छिप रहे प्रधानमंत्री मोदी...

नई दिल्ली (एजेंसी) • संसद परिसर में संवाददताओं से बातची के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दावों पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने अध्यक्ष के उस बयान को 'पूरी तरह झूठ' बताया जिसमें उन्होंने दावा किया था कि विपक्ष ने प्रधानमंत्री के साथ किसी अप्रिय घटना की योजना बनाई थी। प्रियंका ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री डरे हुए हैं और सदन में आने का साहस न होने के कारण अध्यक्ष की आड़ में छिप रहे हैं। उनका कहना है कि केवल तीन महिला सांसदों के बेंच के सामने खड़े होने को हमले की साजिश बताना हास्यास्पद है।

इससे पहले, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह दावा किया है कि मैंने ही पीएम मोदी को लोकसभा में आने से रोका है, क्योंकि उन्हें विपक्ष की ओर से किसी बड़ी अनहोनी की पुख्ता जानकारी मिली थी, जिसके चलते उन्होंने सुरक्षा कारणों से प्रधानमंत्री को सदन में न आने का सुझाव दिया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बुधवार को विपक्ष के कुछ नेताओं ने पीएम मोदी के चैंबर में आकर जिस तरह का व्यवहार किया, वैसा लोकसभा के इतिहास में आज तक नहीं हुआ। उन्होंने विपक्ष के व्यवहार को संसदीय इतिहास का 'काला धब्बा' करार दिया। भाजपा खेमे से भी मनोज तिवारी जैसे सांसदों ने दावा किया कि विपक्षी सदस्य मारपीट के इरादे से प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंच गए थे और माहौल बेहद तनावपूर्ण बना दिया था।

न्यूज ब्रीफ

- जालंधर : गुरुद्वारा के बाहर आप नेता की हत्या, लक्की ओबेराय को मारी गईं पांच गोलियां
- युवराज मौत मामला : इलाहाबाद हाई कोर्ट से बिल्डर अभय कुमार को राहत, रिहा करने का आदेश
- आज ओमान में शुरू होगी अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता, 9 महीने बाद पहली बैठक
- उत्तर प्रदेश में संपत्ति खरीदने के लिए अब पैन कार्ड जरूरी, सरकार ने बदले नियम
- आरके पुरम में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़, दो गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली
- मणिपुर के चुराचांदपुर में हिंसा, डिप्टी सीएम के शपथग्रहण के विरोध में बवाल
- यूक्रेन वार्ता के बाद अमेरिका और रूस सैन्य वार्ता फिर से शुरू करने पर हुए सहमत
- बंगाल विधानसभा में आज एसआईआर पर हो सकती है चर्चा

13 साल बाद फिर शुरू होगी निगेटिव मार्किंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • प्रदेश सरकार ने 13 साल बाद फिर से भर्ती परीक्षाओं में निगेटिव मार्किंग का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था मप्र कर्मचारी चयन मंडल के जरिए आगे आने वाली परीक्षाओं से लागू की जाएगी। मप्र कर्मचारी चयन मंडल के संचालक मंडल की गुरुवार को मंत्रालय में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जानकारी के अनुसार पूर्व में कर्मचारी चयन मंडल की भर्ती परीक्षाओं में निगेटिव मार्किंग की जाती थी, लेकिन वर्ष 2011-12 परीक्षाओं में निगेटिव मार्किंग बंद कर दी गई थी। परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी छात्र संगठनों के माध्यम से लंबे समय से परीक्षा में निगेटिव मार्किंग शुरू की मांग कर रहे थे, जिससे अभ्यर्थी परीक्षाओं को गंभीरता से लें।

बायपास पर निर्माणाधीन ब्रिज बना डेंजर जोन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर का बायपास इन दिनों हादसों का मुख्य केंद्र बनता जा रहा है। बायपास पर वर्तमान में दो अलग-अलग स्थानों पर ब्रिज निर्माण का कार्य प्रगति पर है। निर्माण कार्यों की वजह से कई पुराने रास्तों को बंद किया गया है और यातायात को अन्य मार्गों पर डायवर्ट किया गया है। इसी कड़ी में होटल द पार्क के समीप बायपास को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग को भी बंद किया गया है, लेकिन यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने से राहगीरों की जान खतरे में है।

ब्रिज निर्माण के लिए होटल के आसपास बड़े स्तर पर खुदाई का कार्य किया गया है। निर्माण स्थल पर पहले बैरिकेडिंग की गई थी ताकि वाहन चालक सीधे खुदाई वाले क्षेत्र में न जा सकें, लेकिन अब उस बैरिकेडिंग को वहां से हटा दिया गया है। स्थिति यह है कि वाहन चालक बिना किसी चेतावनी के सीधे गड्ढे के मुहाने तक पहुंच रहे हैं। रात के अंधेरे में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, क्योंकि तेज रफ्तार वाहन चालक खुदाई वाले क्षेत्र को पहचान नहीं पाते और गड्ढे के बिल्कुल करीब पहुंचकर अचानक वाहन रोकते हैं, जिससे पीछे से आने वाले वाहनों के टकराने का खतरा भी बना रहता है। यह मार्ग काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सीधे बायपास को रिंग रोड से कनेक्ट करता है। इस वजह से यहां दिन-रात ट्रैफिक का बहुत अधिक दबाव रहता है। कुछ समय पहले जब काम शुरू हुआ था, तब बैरिकेडिंग लगाकर ट्रैफिक को आसपास के रास्तों पर मोड़ा गया था। अब बैरिकेडिंग हटने से वाहन चालक तेज गति से इस रास्ते पर आ जाते हैं। यहां खुदाई इतनी गहरी है कि इसमें कई कारें एक साथ समा सकती हैं, ऐसे में एक छोटी सी चूक बड़ी जनहानि का कारण बन सकती है। गड्ढे के किनारे से एक छोटा अस्थाई रास्ता बनाया गया है, जिसका उपयोग पैदल चलने वाले लोग करते हैं।

नई पहल — नकल रोकने के लिए प्रदेश बोर्ड की कवायद

परीक्षा केंद्रों पर मिलेंगे 'ईमानदारी बॉक्स'

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं से पहले स्कूल शिक्षा विभाग ने नकल रोकने के लिए एक अनोखी और भरोसे पर आधारित पहल शुरू की है। इस बार परीक्षा केंद्रों पर 'ईमानदारी बॉक्स' रखे जाएंगे, ताकि छात्र परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले अपनी गलती खुद सुधार सकें और किसी सख्त कार्रवाई से बच सकें।

मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग की इस पहल का मकसद छात्रों का तनाव कम करना और उन्हें छोटी-मोटी भूल के लिए नकल के गंभीर आरोपों से बचाना है। कई बार छात्र घबराहट या अनजाने में पर्चियां, नोट्स, गाइड के पन्ने या मोबाइल फोन जैसी प्रतिबंधित वस्तुएं साथ ले आते हैं। अब ऐसे मामलों में हर छात्र को गलती सुधारने का एक आसान और सुरक्षित विकल्प मिलेगा।

बिना पहचान बताए जमा कर सकेंगे सामान : परीक्षा केंद्रों के एंट्रेंस और परीक्षा हॉल के बाहर साफ-साफ लेबल लगे बड़े

कड़ी निगरानी भी रहेगी जारी

इस नई व्यवस्था के साथ-साथ परीक्षा की सुरक्षा में कोई ढील नहीं दी जाएगी। पूरे प्रदेश में एक मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए परीक्षाओं की निगरानी की जाएगी। संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों से नजर रखी जाएगी, जबकि फ्लाइंग स्क्वॉड अचानक निरीक्षण कर नकल और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर सख्त नजर रखेगा।

ईमानदारी बॉक्स रखे जाएंगे। जांच शुरू होने से पहले छात्र बिना अपनी पहचान बताए इनमें कोई भी प्रतिबंधित वस्तु जमा कर सकेंगे। एक बार सामान जमा करने के बाद उस छात्र के खिलाफ नकल का कोई मामला दर्ज नहीं किया जाएगा।

सेंटर सुपरिटेंडेंट देंगे जानकारी : परीक्षा से पहले सेंटर सुपरिटेंडेंट सभी छात्रों को इस व्यवस्था के बारे में स्पष्ट जानकारी देंगे, ताकि कोई भी छात्र डर या भ्रम में न रहे। शिक्षा विभाग का मानना है कि भरोसे पर आधारित यह व्यवस्था छात्रों में ईमानदारी को बढ़ावा देगी और परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सहज बनाएगी।

10 फरवरी से शुरू होंगी स्कूल बोर्ड परीक्षाएं : मध्यप्रदेश में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 10 फरवरी से शुरू होंगी, जबकि कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 13 फरवरी से आयोजित की जाएंगी। इस साल पूरे राज्य में कुल 3,856 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 488 केंद्रों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इंदौर जिले में अकेले 138 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

छात्रों को राहत, व्यवस्था पर भरोसा : शिक्षा विभाग का कहना है कि 'ईमानदारी बॉक्स' जैसी पहल छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ परीक्षा को डर-मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विभाग को उम्मीद है कि इससे नकल की घटनाओं में कमी आएगी और परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी।

सियासी पुनर्वास की आस : धार्मिक आयोजन व सेवा प्रकल्पों का सहारा

प्रदेश के दिग्गज नेताओं ने पकड़ी धर्म की राह, यज्ञ-राम कथा में लगा रहे मन!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश में भाजपा के कई दिग्गज नेता इन दिनों भक्ति-भाव से सराबोर होकर धर्म की राह पर निकल पड़े हैं। अमूमन चैत्र और शारदेय नवरात्रि में नजर आने वाला ज्यादातर राजनेताओं का भक्तिभाव अब जोरों पर है। पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा और भूपेंद्र सिंह क्रमश: अपने क्षेत्र में भव्य-दिव्य नवग्रह और दक्षिण मुखी संकटमोचन हनुमान मंदिर निर्माण करा चुके हैं।

पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव मरीजों की सेवा प्रकल्प में मन लगाए हैं। मंत्री विश्वास सारंग ने प्रसिद्ध खेड़ापति हनुमान मंदिर कॉरिडोर निर्माण का संकल्प लिया है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को पल्लवित करने के साथ सियासत में अपनी धमक को फिर पुख्ता बनाने और पुनर्वास की आस में भी ऐसे आयोजन सुर्खियों में हैं। डबरा व सागर में भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प सिद्धि तक पहुंचाने दोनों नेता प्रदेश के गृहमंत्री रह चुके हैं।

हाईप्रोफाइल नेताओं की हाजिरी

सियासी तौर पर दोनों दिग्गजों के सितारे इन दिनों मद्धम पर हैं, राजनीतिक तौर पर मुख्यधारा व सियासत के केंद्र में आने की आस बनी हुई है। डॉ. मिश्रा ने मंदिर के भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह (10-20 फरवरी) में कुमार विश्वास की रामकथा, पं. धीरेंद्र शास्त्री, पं. प्रदीप मिश्रा और दाती महाराज सहित राजनीति के दिग्गजों को भी आमंत्रित किया है। पूर्व मंत्री भूपेंद्र के यहां 6 फरवरी तक चल रहे धार्मिक आयोजन में भी सनातन की शख्सियतों और हाईप्रोफाइल नेताओंकी हाजिरी लग रही है।

गोपाल भार्गव का सेवा प्रकल्प- प्रदेश के वरिष्ठतम विधायक और पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी पिछले दो साल से अपने दिन बहुरने की प्रतीक्षा में हैं। ऐसा माना जाता है कि मंत्री पद उनके हाथ में आते-आते ही रह गया। इसलिए इन दिनों अपने सेवा प्रकल्प पर फोकस कर रहे हैं। अपने सरकारी आवास में उन्होंने क्षेत्र से आने वाले मरीजों की ठहरने और राजधानी में इलाज कराने की पुरानी व्यवस्था को और चाक-चौबंद कर दिया है।

सारंग का अटल संकल्प

प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग भी भोपाल के प्राचीन खेड़ापति हनुमान मंदिर कॉरिडोर का संकल्प ले चुके हैं। उनका कहना है कि यह मेरे जीवन का अटल संकल्प है। भव्य-दिव्य मंदिर बनकर रहेगा। प्रोजेक्ट पर जोर-शोर से काम चल रहा है। करीब डेढ़ साल में मंदिर का भव्य स्वरूप जमीन पर उतर आएगा। प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 100 करोड़ बताई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व शिक्षा मंत्री ब्रह्मलीन लक्ष्मणसिंह गौड़ की स्मृति में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 11 को लगेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पूर्व शिक्षा मंत्री ब्रह्मलीन लक्ष्मणसिंह गौड़ (लखन दादा) की स्मृति में विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 11 फरवरी को लगाया जाएगा। कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश मानावत ने बताया कि पूर्व शिक्षा मंत्री ब्रह्मलीन लक्ष्मण सिंह गौड़ के 18 वें पुण्य स्मरण दिवस पर विशाल निशुल्क आयुष मेगा स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी पद्धति के विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे एवं निशुल्क दवाइयां भी दी जाएगी। यह शिविर 11 फरवरी 2026 बुधवार को प्रात: 10 बजे 1 बजे तक आयुष जिला अस्पताल परिसर धार रोड पर लगाया जाएगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टर का सम्मान भी किया जाएगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

प्रदेश में 900 करोड़ की लागत से बन रहे हैं धार्मिक और सांस्कृतिक लोक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के कालजयी मंत्र को ध्येय वाक्य मानकर मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने की दिशा में एक ऐतिहासिक पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस सांस्कृतिक पुनर्जागरण का शंखनाद उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' के लोकार्पण के साथ किया था, वह यात्रा अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक विराट जन-अभियान का रूप ले चुकी है। प्रदेश की पावन धरा पर लगभग 900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 20 'लोकों' का निर्माण किया जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी गौरवशाली परंपराओं का जीवंत साक्ष्य बनेंगे।

'राग अमीर' संगीत समारोह, सजी श्रेष्ठ साधकों की संगीत सभाएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग इसी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयास के साथ इन्दौर के जाल सभागृह में दो दिवसीय ''राग अमीर'' का आयोजन कर रहा है। उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा जिला प्रशासन - इन्दौर के सहयोग से पद्मभूषण उस्ताद अमीर खां की स्मृति में आयोजित इस संगीत समागम के दूसरे दिवस गुरुवार को चार संगीत सभाएं सजीं। गायिकी में संगीत घरानों की परम्पराएं तो तबले की थाप पर सुदीर्घ साधना की ज्योति दमक उठी। कलाकारों का स्वागत उस्ताद अमीर खां के पुत्र एवं सुप्रसिद्ध अभिनेता शाहबाज खान, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर एवं उप निदेशक शेखर करहाड़कर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया।

प्रधानमंत्री मोदी विद्यार्थियों से कल करेंगे परीक्षा पे चर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 फरवरी को देश के विद्यार्थियों के साथ परीक्षा पे चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों के मन में उठने वाली शंकाओं का समाधान कर सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित करेंगे। परीक्षा पे चर्चा का राष्ट्रीय आयोजन 6 फरवरी को होगा। शुक्रवार 6 फरवरी को प्रदेश के सभी विद्यालयों में भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल में होगा। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह नरसिंहपुर जिले के चावरपाठा विकासखण्ड के ग्राम तेंदूखेड़ा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच उपस्थित रहकर कार्यक्रम के सजीव प्रसारण में सहभागिता करेंगे।

शहर के कई इलाकों में कीड़े युक्त पानी का एक बड़ा कारण यह भी

पाइप लाइन में रिवर्स जाने वाले पानी से हो रहा पानी दूषित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा दूषित जल कांड के बाद पूरे शहर से गंदे पानी की शिकायतों का सामना नगर निगम को करना पड़ा रहा है। लगातार आ रही गंदे पानी की शिकायतों के चलते निगम के जिम्मेदारों के हाथ-पैर फूले हुए हैं। गंदे पानी के बड़े कारणों में पुरानी पाइप लाइन का लीकेज होना और कई स्थानों पर ड्रेनेज और नर्मदा पाइप लाइन का ऊपर-नीचे डला होना प्रमुख कारण है। वहीं एक बड़ा कारण यह भी है कि शहर के ज्यादातर इलाकों में लोगों ने जो नल कनेक्शन ले रखा है, उसे खुला होद में छोड़ रखा है। न इसमें टोटी लगी होती है और न ही नॉन रिर्टन वाल्व आदि। जब पाइप लाइन में सप्लाई बंद होती है, तो दबाव के चलते होदी का गंदा और कीड़ेयुक्त पानी मुख्य लाइन में रिवर्स चले जाता है।

नगर निगम चलाए अभियान तो आएंगे बेहतर नतीजे: मुख्य पाइप लाइन में रिवर्स पानी जाने के कारण होदी में जो कई दिनों का गंदा और कीड़ेयुक्त पानी होता है, वो चला जाता है। जब दोबारा पानी सप्लाई होता है, तो शुरुआत में जो गंदा और कीड़ेयुक्त पानी आता है, वो इसी कारण से आता है और लोग समझते हैं कि नगर की सप्लाई लाइन में दिक्कत है। शिकायत की जाती है। शिकायत के बाद फाल्ट ढूंढने के बाद भी शिकायत दूर नहीं होती है। कारण नगर निगम के नर्मदा जल वितरण के जिम्मेदार इस तरफ ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। जानकारों का कहना है कि यदि नगर निगम इसको लेकर शहर भर में अभियान चलाए, तो बेहतर नतीजे सामने आ सकते हैं। शहर में जहां पुरानी लाइन से नर्मदा का पानी सप्लाई हो रहा है, वो जमीन या मकान की सतह से दो से तीन फीट तक नीचे है। कारण यह है कि पानी का पाइप ऊपर करने से प्रेशर नहीं आता है। नीचे से ही पानी भरते हैं,

इसके लिए लोगों ने छोटी होद बना रखी है, जो हमेशा ओपन रहती है और 12 महीनों इसमें पानी पड़ा होता है। लोग इसे नियमित रूप से साफ भी नहीं करते हैं। इस कारण इसमें गंदगी और पानी में पनपने वाले कीड़े पड़ जाते हैं। वहीं जहां नई सप्लाई लाइन डल है, वो जमीन की सताह से करीब एक से दो फुट ऊपर है इसमें मीटर लगा हुआ है। इस कारण यहां केवल बारिश में ही गंदे पानी की शिकायत लीकेज होने के कारण आती है।

वॉल्व से भी आता है पाइप लाइन में गंदा पानी

इसी प्रकार नर्मदा सप्लाई लाइन में नगर निगम द्वारा जगह-जगह वॉल्व लगे हुए हैं। यह ज्यादातर वॉल्व लाइन में पानी छोड़ने के बाद खोला जाता है, तो वॉल्व में से पानी लीकेज होता है और पानी भरते रहते है। यही पानी दोबारा मेनलाइन में जाता है और गंदा पानी नलों में आता है। वर्तमान में ज्यादातर इलाकों में जलप्रदाय शुरू होने के कुछ देर तक गंदे पानी की शिकायत उक्त कारणों के चलते ही आ रही है। इस तरफ निगम ने ध्यान नहीं दिया, तो कभी भी गंदे पानी की शिकायत कम नहीं होगी।

ड्रेनेज चैंबर के कारण हो रहा बोरिंग का पानी दूषित

वहीं शहर के कई इलाकों में बोरिंग में दूषित जल की शिकायत आने का एक बड़ा कारण नगर निगम द्वारा गहराई में डाली गई ड्रेनेज लाइन है। ड्रेनेज लाइन की लीकेज होने या चैंबर क्षतिग्रस्त होने के कारण गंदा मल-मूत्र वाला पानी जमीन के जरिए बोरिंगों के पानी को दूषित कर रहा है। जबड़ी संख्या में शहर में ड्रेनेज लाइन के चैंबर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। ऊपर से भले ही ढक्कन आदि लगाकर रिपेयर कर दिया जाता है, लेकिन अंदर से चूहों ने क्षतिग्रस्त किया हुआ है। नियमित सफाई न होने के कारण चैंबर से पानी लगातार जमीन में उतरकर भूजल के दूषित कर रहा है। निगम को नई लाइन डालते समय चैंबर के मजबूत बनाने और लाइन के ज्वाइंट को मजबूत करने पर फोकस करना होगा। साथ ही पुरानी लाइन के चैंबर में अंदर तक मरम्मम करना होगी, तभी लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होता रहेगा।

डबल डेकर ब्रिज निर्माण की धीमी गति से नाराज हुए सीईओ

निरीक्षण कर दिए समय सीम में पूर्ण करने के निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● उज्जैन रोड लवकुश चौराहे पर बने रहे डबल डेकर ब्रिज निर्माण कार्य अपने तय समय से पिछड़ता जा रहा है। इस बीच गुरुवार को इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) डॉ परीक्षित झाड़े स्थित डबल लेयर ब्रिज के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान सीईओ के साथ प्राधिकरण के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। सीईओ झाड़े ने ब्रिज निर्माण कर रही एजेंसी एवं पीएमसी को कार्य की प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया एवं उन्हें समय सीमा में पूर्ण करने की हिदायत दी।

एक लाख से ज्यादा वाहन गुजरेंगे ब्रिज से- लवकुश चौराहे पर बन रहे डबल डेकर ब्रिज से एक लाख से ज्यादा वाहन गुजरेंगे। बाणगंगा से उज्जैन की तरफ जाने वाले ट्रैफिक के लिए यह ब्रिज ज्यादा फायदेमंद है। अभी सिग्नल पर पांच से दस मिनट तक यातायात रुका रहता है। इंदौर विकास प्राधिकरण इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए एमआर 12 रोड भी बना रहा है। जिससे होकर सीधे बाइपास तक वाहन चालक निकल सकेंगे। 2028 के सिंहस्थ के दौरान यह ब्रिज सबसे ज्यादा उपयोगी होगा, क्योंकि तब लाखों वाहन इंदौर से होकर उज्जैन जाएंगे।

कलेक्टर पहुंचे छात्रावास देखी वहां व्यवस्था

छात्राओं ने रखी डिमांड, हमें रालामंडल घूमने जाना है, परीक्षा बाद व्यवस्था करने को कहा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● गुरुवार को कलेक्टर शिवम वर्मा सांदीपनी अहिल्याश्रम क्र.-1 में बने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयीन छात्रावास पहुंचे और छात्रों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी छात्राओं से ही ली। कलेक्टर ने वहां उपस्थित छात्राओं से पूछा की खाना, रहना कैसा है, यहां दी जा रही सुविधाओं से संतुष्ट हैं तो छात्राओं ने दी जा रही सुविधाओं पर संतुष्टि जताई। साथ ही कलेक्टर ने छात्रावास में कम्प्यूटर ट्रेनिंग कक्ष का निरीक्षण किया और छात्राओं त्राओं को कम्प्यूटर चलाकर दिखाने को कहा। हालांकि छात्राएं घबरागई और कुछ छात्राएं सही तरीके से नहीं चला पाई। छात्राओं को कम्प्यूटर, डांस और संगीत का प्रशिक्षण दिया जाता है। छात्रावास में इंदौर के आस-पास के जिलों की छात्राएं रहती है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक की छात्राओं के लिए बनाए गए इस छात्रावास में आरओ लगाने की डिमांग जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी भार्गव ने की तो कलेक्टर ने इसे तुरंत स्वीकार कर जल्द आरओ लगाने को कहा।

छात्रावासों की सुविधाओं पर ध्यान देने को कहा

कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिए गए है कि प्रदेश के सभी छात्रावासों का निरीक्षण कर वहां दी जा रही सुविधाओं को देखे। इसी के तहत मैं यहां आया था, यहां पर छात्राओं को सुविधाएं दी जा रही है वह काफी अच्छी है और जो कमियां थी हम उन्हें जल्द दूर करने की कोशिश करेंगे।

छात्रों ने कलेक्टर के सामने रखी घूमने जाने की डिमांड: कलेक्टर ने जब छात्राओं से पूछा कि शहर घूमा है तो छात्राओं ने कहा कि हमें यहां से बिना इजाजत जाने नहीं दिया जाता है। इस पर कलेक्टर ने कहा कि आप लोग कहा घूमने जाना चाहते हैं तो छात्राओं ने रालामंडल अभयारण्य घूमने जाने की इच्छा जताई। इस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को इस कार्य की जिम्मेदारी सौपी और छात्राओं को परीक्षा के बाद घुमने जाने की व्यवस्था करने को कहा।

खिड़कियों की जालियां जल्द बदलने के निर्देश दिए: छात्राएं जिन कमरों में रहती है वहां पर मच्छर के लिए लगाई जालिया टूटी व कटी हुई देखी तो कलेक्टर शिवम वर्मा ने इन्हें तुरंत बदलने के निर्देश दिए। साथ ही छात्राओं की सुरक्षा का ध्यान में रखते हुए छात्रावास के सामने एक शेड वाली दिवाल बनाने के निर्देश भी दिए।

इंदौर में वकील को हनी ट्रैप में फंसाने वाली महिला गिरफ्तार

10 लाख मांगने का है आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में एक महिला ने वकील से 10 लाख रुपए की मांग की। महिला ने धमकी दी कि वह हनी ट्रैप में फंसा देगी। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया। महिला का साथी फरार है।

इंदौर में एक वकील को हनी ट्रैप में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपए मांगने वाली महिला आरोपी गिरफ्तार हो गई है। महिला ने वकील को फोन पर दुष्कर्म, छेड़छाड़ के आरोप लगाने की धमकी दी थी। इस मामले में उसके साथी भी आरोपी है, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

इस तरह हुआ कांड-डीसीपी जोन 3 राजेश व्यास ने बताया कि वकील नवनीत शर्मा की शिकायत पर सागर, ओमप्रकाश और महिला पर बाणगंगा थाने में केस किया है। नवनीत वकालत करते हैं। 29 जनवरी को राज नाम के शख्श ने उनसे मुलाकात की और कहा कि पत्नी के अश्लील फोटो, चैटिंग है। शख्श ने कहा कि महिला को बुलाकर समझा दीजिए। साथ ही वकील को फोटो, चैटिंग दे दी। वकील ने महिला को फोन कर समझाया। महिला ने कहा कि वह राज के साथ नहीं रहना चाहती है।

इसके बाद महिला ने फोन पर यह कहा-इसके बाद महिला ने वकील को फोन करके कहा का कि वह राज द्वारा दिए गए फोटो, चैट डिलीट कर दें। ऐसा नहीं करने पर उन्हें झूठे केस में फंसा देगी। फिर महिला ने सागर नाम के युवक से बात कराई और वह भी धमकाने लगा। साथ ही 10 लाख रुपए की मांग की गई।

घरेलू गैस सिलेंडर से अवैध रिफिलिंग पर बड़ी कार्रवाई, एजेंसी संचालक सहित तीन पर एफआईआर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, गैस रिफिलिंग एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई में गैस एजेंसी संचालक, हॉकर एवं वाहन चालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है।

जांच के दौरान मेसर्स अरिहंत गैस एजेंसी, उद्योग नगर पालदा, इंदौर के प्रोपराइटर विवेक जैन, हॉकर मिथुन कलमे एवं वाहन चालक दीपक पिप्लोदे द्वारा अवैध गैस रिफिलिंग, गैस स्टॉक में अंतर तथा अवैध परिवहन किया जाना पाया गया। इस पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत थाना तिलक नगर एवं आजाद नगर में प्रकरण दर्ज कराया गया। अभियान के दौरान नारायणी हॉस्पिटल पिपल्याहाना के सामने प्राप्त गोपनीय शिकायत पर वाहन क्रमांक MP 09 रक्त 9331 में गैस अंतरण करते हुए आरोपी पाए गए। जांच में गैस सिलेंडरों में निर्धारित मात्रा से कम गैस पाई गई तथा डिलेवरी से संबंधित वैधानिक दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए। साथ ही एजेंसी के स्टॉक में भी भारी अंतर पाया गया।

अरिहंत कॉलेज में 'बीट्स ऑफ लाइफ - सीज़न 15' वार्षिक महोत्सव का उत्साहपूर्वक आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अरिहंत कॉलेज द्वारा वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'बीट्स ऑफ लाइफ - सीज़न 15' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजे इस महोत्सव में विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरा परिसर जीवंत और यादगार बन गया। इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं में कार्निवल, बिज़नेस आइडिया पिचिंग, मेहंदी, पोस्टर मेकिंग, रंगोली एवं फायरलेस कुकिंग शामिल रहीं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, नवाचार और कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। यह मंच युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा और उद्यमशील विचारों को प्रस्तुत करने का सशक्त अवसर बना।

बिजली कंपनी का 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान'

मनाई खुशी... मजरे-टोले के 3300 वनवासी परिवारों को मुफ्त में मिली स्थायी बिजली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में अत्यंत दूरस्थ टोले-मजरे, फलिए के वनवासी परिवारों को स्थाई रोशनी उपलब्ध कराई जा रही है। अभियान में अब तक मालवा-निमाड़ के 3300 घरों को रोशन किया जा चुका है। ये सभी मूलग्राम अपने पंचायत क्षेत्र से एक से तीन किमी दूर बसे थे।

एमडी अनूपकुमार सिंह ने बताया कि कंपनी क्षेत्र के खरगोन, बड़वानी, धार, झाबुआ, देवास, आलीराजपुर, रतलाम समेत अन्य जिलों में व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इन जिलों के लिए कंपनी के भंडार गृहों से ट्रकों से केबल, पोल, ट्रांसफार्मर, कंडक्टर इत्यादि विद्युत सामग्री भेजी गई। इसी कारण मात्र चार माह में 3300 दूरस्थ क्षेत्रों को स्थाई यानि चौबीस घंटे की बिजली आपूर्ति वाली सेवा से लाभान्वित कर दिया गया है। इन गांवों के वनवासी परिवार खुश हैं कि अब बच्चे बल्ब की रोशनी में पढ़ाई कर रहे हैं, मोबाइल भी अपने ही घर पर चार्ज हो रहा है और टीवी भी चलाई जा रही है।

दो-चार घरों के लिए भी पहुंचाए साधन-खरगोन जिले के बिस्टान बिजली वितरण केंद्र के रससांगली नीम फलिया में रहने वाले बिजली उपभोक्ता सिलदार तुलिया डुडवे के घर के पास नया ट्रांसफार्मर, केबल, मीटर लगाया गया, जिसकी ग्रामीणों ने पूजन-अर्चन कर खुशियां मनाई। सिलदार इस बात से प्रसन्न हैं कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में उनके फलिए स्थाई बिजली आ गई है और वह भी नि:शुल्क। उनके बेटे ईडा डूडवे का कहना हैं कि मेरी पढ़ाई में यह चौबीस घंटे की स्थाई बिजली बहुत मदद करेगी। बिजली कंपनी ने अभियान चलाकर दूरदराज के मजरे, टोले में दो-चार घर होने पर भी नए ट्रांसफार्मर तार, पोल स्थापित कर बिजली प्रदान की है।

हितग्राही परिवारों ने देखी गणतंत्र दिवस परेड-धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए जुगा) में बिजली कंपनी द्वारा विद्युतीकरण से लाभान्वित वनवासी परिवार 26 जनवरी को नई दिल्ली की गणतंत्र दिवस परेड के विशेष मेहमान बनकर गए थे। परेड देखकर विमान से लौटे इन परिवारों ने बिजली कंपनी के प्रबंध निदेशक सिंह से भेंट की। एमडी सिंह ने इन्हें डीए जुगा में लाभान्वित होने से पहले होने वाली कठिनाई एवं स्थाई विद्युतीकृत होने के बाद आ रहे बदलाव की जानकारी ली। वहीं वनवासियों ने बताया कि हममें से अधिकांश ने पहली बार विमान यात्रा की है। इन विद्युतीकृत परिवार सदस्यों ने नई दिल्ली में मेट्रो की सवारी भी की। प्रधानमंत्री संग्रहालय देखा, वहीं परेड में मप्र की देवी अहिल्या बाई होलकर की झांकी को प्रत्यक्ष निहारा।

100 दिन में कर दिए 1010 घर रोशन

वनवासी बहुल टोले, फलिए मजरों को कर्मचारियों द्वारा ट्रैक्टरों, बैलगाड़ियों से पोल, तार, केबल भेजकर रोशन किया जा रहा है। सवा तीन माह या 100 दिनों में एक हजार दस घरों में रोशनी पहुंचाई गई है, ये घर मूल बसाहट, आबादी, गांवों से दूर स्थित थे। एमडी अनूपकुमार सिंह ने बताया इस अभिया में रतलाम जिले में 223, नीमच 23, मंदसौर में 12, शाजापुर 2, उज्जैन 42, इंदौर ग्रामीण 78, धार 203, खंडवा 591, आलीराजपुर 260, झाबुआ 170, बडवानी 590, खरगोन 805, देवास में 113, बुरहानपुर जिले के 196 दूरस्थ मजरे टोलों में रोशनी उपलब्ध कराई गई है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शुक्रवार 06 फरवरी 2026

जाति आधारित प्रकोष्ठ का गठन कर रही कांग्रेस

भोपाल (एजेंसी) ● मप्र में कांग्रेस हर हाल में सत्ता में वापसी की कोशिश में लगी हुई है। पार्टी की कोशिश है कि अधिक से अधिक वोट बैंक को अपनी ओर आकर्षित किया जाए। ऐसे में कांग्रेस पार्टी द्वारा जाति-आधारित प्रकोष्ठों का गठन कर पार्टी के समावेशी और समानतावादी संविधान के वैचारिक आधार के विपरीत का किया जा रहा है। कांग्रेस की इस तरह की रणनीति मुख्य रूप से चुनावी लाभ और पिछड़ते हुए आधार को पुन: मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखी जा रही है। भाजपा नेताओं का मानना है कि कांग्रेस की यह रणनीति विकासात्मक मुद्दों से ध्यान भटकाने और जाति-आधारित राजनीति का सहारा लेने का एक सोची-समझी कोशिश है, जिसे लेकर अक्सर आरोप लगाए जाते हैं कि यह जातिवाद को बढ़ावा दे सकती है।

सामाजिक न्याय पर केंद्रित रुख के साथ, कांग्रेस ने अपने गिरते हुए जनाधार को वापस पाने के लिए इन प्रकोष्ठों को एक टूल के रूप में उपयोग करने की कोशिश की है। जबकि कांग्रेस पार्टी के सांगठनिक ढांचे में जाति आधारित इकाइयों के गठन का विकल्प नहीं रहा है। इसके बावजूद मध्य प्रदेश में पार्टी जाति आधारित प्रकोष्ठ का गठन कर रही है। पार्टी के संविधान के अनुसार केवल विभाग और प्रकोष्ठ ही गठित किए जा सकते हैं लेकिन प्रदेश संगठन ने सात समाजों से जुड़े प्रकोष्ठ गठित कर दिए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी इसे व्यवसाय संबंधित प्रकोष्ठ बता रहे हैं जबकि कांग्रेस के ही कुछ नेताओं का मानना है कि यह निर्णय पार्टी के धर्मनिरपेक्ष और संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। इससे जातिवाद को बढ़ावा मिलता है।

मप्र कांग्रेस की मीडिया कमेटी भंग

मप्र कांग्रेस संगठन में बड़ा बदलाव हुआ है। इसी कड़ी में प्रदेश कांग्रेस की मीडिया कमेटी को भंग कर दिया गया है। सभी प्रवक्ताओं को उनके कार्यभार से मुक्त कर दिया है। इस आशय का आदेश जारी हो गया है। दरअसल प्रदेश कांग्रेस में प्रवक्ता अब टैलेंट हंट के जरिए चुने जाएंगे। कार्यमुक्त किए गए प्रवक्ताओं को भी फिर प्रवक्ता बनना है तो इंटरव्यू देना होगा। 5 फरवरी से प्रवक्ताओं को लेकर टैलेंट हंट शुरू होगा। अगली नियुक्ति तक अब मीडिया विभाग द्वारा डिबेट के लिए नेता भेजे जाएंगे।

जातिगत राजनीति का हिस्सा

जाति आधारित प्रकोष्ठ गठन से समाज में विभाजन बढ़ता है और यह चुनावी लाभ के लिए जातिगत राजनीति का हिस्सा है। यूजीसी के समानता से जुड़े नए नियमों के कारण जातिवाद पर चर्चा ने फिर जोर पकड़ लिया है। हालांकि इन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। अब तक कांग्रेस में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और आदिवासी विभाग होते हैं लेकिन इस बार प्रदेश कांग्रेस ने समाज समन्वय प्रकोष्ठ के अंतर्गत अलग-अलग समाजों के लिए समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। इनमें बंगाली समाज के समन्वयक मिथुन विश्वास, बंजारा समाज समन्वयक मांगीलाल नायक, तैलिक साहू राठौर समाज समन्वयक हितेष साहू, सर्व विश्वकर्मा समाज कल्याण समन्वयक रमेश चंद्र विश्वकर्मा, स्वर्ण कला समन्वयक राम मनोहर सोनी, कोली कोरी समाज समन्वयक पूनम वर्मा और रजक समाज का समन्वयक संजय मालवीय को नियुक्त किया है। बता दें, सवर्ण समाज के प्रति भेदभाव बढ़ाने वाले यूजीसी के नए नियमों से भाजपा को भी नुकसान झेलना पड़ा है। कांग्रेस के ऐसे प्रकोष्ठ गठन के अलावा मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आदिवासियों को बरगलाने में लगे हैं कि वे हिंदू नहीं हैं। जनगणना में उन्हें अलग धर्म कोड की मांग करनी चाहिए। कांग्रेस के ही एक और विधायक फूल सिंह बरैया के जातिवादी बयान ने पार्टी के समक्ष संकट खड़ा कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के दलित एजेंडा ने भी जातिवाद को बढ़ावा देने में आग में घी डालने का काम किया है। मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि ये प्रकोष्ठ पहले से बने हुए थे, उन्हीं को पुनर्जीवित किया गया है। संविधान से हटकर संगठन कोई काम नहीं करता है। ये सभी व्यवसाय आधारित प्रकोष्ठ हैं। कारोबार संबंधी समस्याएं स्वयं सुलझा लें इसलिए इनका गठन किया गया है। इसमें सभी धर्मों के लोग हैं।

न्यूज ब्रीफ

भव्य कलश यात्रा के साथ श्री चारभुजानाथ मंदिर में तीन दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत

इंदौर ● श्री शेखावाटी सेन समाज पंचायत द्वारा आयोजित मल्हारगंज स्थित श्री चारभुजानाथ मंदिर का तीन दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव गुरुवार को भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ। सैकड़ो महिलाएं सिर पर कलश लेकर सम्मिलित हुई । आयोजन प्रमुख पंचायत के अध्यक्ष अमरचंद सेन (वर्मा) व प्रवक्ता निलेश सेन (शैलू) ने बताया कि श्री शेखावाटी सेन समाज पंचायत के श्री चारभुजानाथ मंदिर के तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत गुरुवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के पहले कलश यात्रा की शुरुआत वेद मंत्रो के बीच पूजन अर्चन करके मंदिर से प्रारंभ हुई। यात्रा में सैकड़ो मातृशक्ति सिर पर श्रद्धा के कलश लेकर शोभायात्रा में निकली, भजनों पर महिलाएं नाचते गाते हुए चल रही थी, शंखनाद करते युवाओं दल देखते ही बन रहा था, यात्रा का जगह-जगह विभिन्न मंचों से गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर स्वागत किया गया।

पीपल्याहाना स्थित राठी स्वास्थ्य केंद्र ओपीडी में आए 1800 नए मरीज

इंदौर ● नंदगांव, पीपल्याहाना स्थित भागीरथ रामविलास राठी पारमार्थिक न्यास द्वारा संचालित स्वास्थ्य एवं सेवा केंद्र पर ओपीडी (बाह्य रोगी परीक्षण) का समय बदलने के बाद जनवरी माह में 1800 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। पूर्व में डिस्पेंसरी का समय सुबह 8 बजे से 12 बजे था जिसे अब बदलकर सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कर दिया गया है। ट्रस्ट के प्रमुख रामविलास राठी ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले मरीजों के लिए खून एवं पैथालॉजी जांच तथा एक्सरे आदि पर भी रियायती दरों पर परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। डिस्पेंसरी से भेजे जाने वाले मरीजों को दवाइयों पर भी 40 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान रखा गया है।

फेयरवेल पार्टी :

9वीं के विद्यार्थियों ने 10वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की शुभकामनाएं देते हुए दी विदाई पार्टी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एकीकृत शासकीय हाईस्कूल लसुड़िया मोरी इंदौर में अध्ययनरत कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए एक स्पेशल पार्टी का आयोजन कर उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं दी। योग खेल परिसर में आयोजित इस फेयरवेल पार्टी में प्रारम्भ में संस्था के प्राचार्य भूषण सराफ एवं खेल प्रभारी शिक्षक एवं शासकीय शिक्षक संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार ने माँ सरस्वती की पूजा अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

जूनियर विद्यार्थियों ने सीनियर विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं गिफ्ट देकर उन्हें बोर्ड परीक्षा में अच्छे नम्बरों से उत्तीर्ण होने की अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस दौरान प्राचार्य भूषण सराफ, शिक्षक दिनेश परमार, राकेश गेहलोद, श्रीमती गीता भदौरिया, अंजलि नायक व श्रीमती प्राची गुप्ता आदि ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए अच्छे अंको से उत्तीर्ण होने की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें शुभाशीष दिए।

कार्यक्रम का संचालन कक्षा कुं ज्योति पाटीदार, कुं नव्या बड़कनिया, कुं अंतिम बाला गावसिंदे व कुं पायल चंद्रवंशी ने किया। छात्राओं कुं दिव्या परमार, कुं वैशाली यादव, कुं साक्षी मालवीय व कुं पूजा वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए जूनियर विद्यार्थियों को फेयरवेल पार्टी के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में सभी ने लजीज भोजन का आनंद लिया।

इंदौर ● विमल सामाजिक संस्था द्वारा गरीब बेसहारा लोगों को कंबल वितरित किए गये। चेन्नई निवासी समाजसेवी श्री अशोक जैन जी के सहयोग से यह पुण्य कार्य संपन्न हुआ है। संस्था द्वारा समय-समय पर अनेक सामाजिक काम किए जाते हैं उक्त जानकारी संस्था की अध्यक्ष योगिता सक्सेना ने दी है

घूसखोर पंडत के निर्माता मनोज बाजपेई का पुतला जलाया जाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री परशुराम सेना के पंडित प्रकाश शर्मा (पप्पी) ने बताया कि फिल्म कार मनोज बाजपेई द्वारा घूसखोर पंडत नाम का टीज़र जारी हुआ है जिसमें किरदार द्वारा पंडित का अभिनय करते हुए घूसखोरी को बढ़ावा दिया है और ब्राह्मण समाज को बदनाम करने की कोशिश की है। मालवा मिल चौराहे पर पुतला जलाया जाएगा प्रदेश अध्यक्ष पंडित अनूप शुक्ला ने फिल्म कर के साथ नेटफ्लिक्स और फिल्म की अनुमति देने वाले सेंसर बोर्ड से यह मांग करी है किस तरह की पिक्चरें और टाइटल को अनुमति न दे जो सवर्ण समाज को अपमानित करता हो।

शिकायत करने पर रहवासियों को 5000 के चालान और नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल, तन्मय चौहान ने बताया कि वार्ड क्रमांक 80 प्रगति नगर में लंबे समय से ड्रेनेज युक्त गंदा पानी, जलभराव और गंदगी की समस्या से क्षेत्रवासी परेशान हैं। रहवासियों ने जब अपनी बुनियादी सुविधा के लिए नगर निगम में शिकायत की, तो समस्या का समाधान करने के बजाय नगर निगम ने उल्टा शिकायतकर्ताओं को ही प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। रहवासियों को डराने और चुप कराने के उद्देश्य से 5000 के चालान अन्य कर के नाम पर थमाए गए तथा भवन निर्माण संबंधी नोटिस जारी कर मानसिक दबाव बनाया गया। यह कार्रवाई पूरी तरह से बदले की भावना और जनता की आवाज दबाने की साजिश है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि संबंधित जोनल अधिकारी निष्पक्ष प्रशासन चलाने के बजाय भाजपा के दबाव में काम करते हुए जनता को परेशान कर रहे हैं।

तीन दिवसीय नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी 8 फरवरी से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में पीड़ितों के कटे - फटे - होंठ - चिपके तालू की सर्जरी के लिए नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी कैम्प 8 फरवरी से लगाया जा रहा है ।' जो 10 फरवरी तक चलेगा । डॉक्टरों की टीम जरूरतमंद पीड़ितों की प्लास्टिक सर्जरी करेगी ।यह कैंप तीन दिनों तक चलेगा । इस प्लास्टिक सर्जरी की शुरुआत 8 फरवरी से होगी ।पहले दिन अमेरिका की टीम सुबह 9 बजे से पंजीयन किए पीड़ितों में प्लास्टिक सर्जरी के लिए जरूरतमंदों को चिन्हित करेगी ।फिर दोपहर बाद सर्जरी की शुरुआत होगी और तीन दिन तक मतलब 10 फरवरी तक जारी रहेगी । स्वर्णिम फाउंडेशन की मुख्य संयोजक रेखा वीरेन्द्र जैन ने बताया कि शहर में यह नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी कैंप पिछले 8 सालों से स्वर्णिम फाउंडेशन और अमेरिका की संस्था फेस ऑफ ब्यूरो द्वारा वर्मा हॉस्पिटल धार रोड़ पर आयोजित किया जा रहा है । इस साल अभी तक प्लास्टिक सर्जरी के लिए 50 से ज्यादा पीड़ितों का रजिस्ट्रेशन हो गया है ।

महाराष्ट्र चर्मकार समाज इंदौर के भवन में औद्योगिक गतिविधियों के संचालन से समाज परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महाराष्ट्र चर्मकार समाज भवन जो की मल्हार सदन हरसिद्धि इंदौर में स्थित है भवन में पूर्व अध्यक्ष व कार्यकारिणी द्वारा समाज भवन के तलघर को व्यवसायिक व गोदाम के कार्य हेतु दुकान को किराए पर दिया था लेकिन किराएदार द्वारा पावर हाउस से मिलकर नियमों के विपरीत 30 किलो वाट का कनेक्शन पावर हाउस द्वारा दिया गया जिसमें दुकान क्रमांक 1 से लेकर 18 तक प्लास्टिक का निर्माण 48 घंटे यहां पर किया जा रहा है जबकि शासन प्रशासन द्वारा देश भर मैं इस पर रोक लगा दी गई है लेकिन मल्हार सदन 9 नॉर्थ हरसिद्धि पर यहां प्लास्टिक कारखाना 48 घंटे संचालित किया जा रहा है चर्मकार समाज के अध्यक्ष शरद सातपुते द्वारा बताया गया कि हमने इसकी शिकायत कई बार कलेक्टर ऑफिस कमिश्नर ऑफिस महापौर कार्यालय पर महापौर जी को विद्युत विभाग को की लेकिन आज तक यहां पर कोई कार्रवाई नहीं हुई जिस प्रकार भागीरथपुरा में दूषित जल कांड से 32 लोगों की मौत हुई लगता है कि शासन प्रशासन यहां पर भी कोई दुर्घटना का इंतजार कर रहा है यहां शासन प्रशासन की मिली भगत से यहां पर 48 घंटे औद्योगिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है जबकि यहां कुछ ही दूरी पर कलेक्टर ऑफिस स्थित है फिर भी प्रशासन इसे अनदेखा कर रहा है अगर प्रशासन द्वारा हमारी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो महाराष्ट्र चर्मकार समाज द्वारा सड़क पर उतर कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

महिलाओं ने एक-दूसरे को हल्दी कंकू लगाकर सौभाग्य की कामना की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतीय हैहय क्षत्रिय कलचुरी महिला ईकाई इंदौर म, प्र द्वारा कुल देवता पूजन, हल्दी कुमकुम,सम्मान, गुरु पूजन सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। आयोजन की शुरुआत राष्ट्रीय संयोजक अर्चना जायसवाल, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष पूनम चौधरी दिल्ली श्रीमती नीलम शिवहरे ने राज राजेश्वर सहस्त्रबाहु भगवान के चित्र पर माल्यार्पण और अतिथि श्री जय नारायण चौकसे, एम एल राय, श्रीमती सुमित्रा चौकसे ने दीप प्रज्वलन करके की। श्रीमती राय, रंजना सूर्यवंशी, मनीषा राय सहित अन्य ने अतिथियों का स्वागत किया।

महिलाओं ने एक दूसरे को हल्दी कंकु लगाकर सौभाग्य की कामना की। पूनम चौधरी ने कहा कि हमारा उद्देश्य कलचुरी महिलाओं को मुख्य धारा से जोड़ना उनका सामाजिक आर्थिक राजनीतिक स्तर से ऊंचाइयां प्रदान करना है महिलाएं लक्ष्य बनाकर कार्य करे सफलता मिलेगी ।वरिष्ठ समाजसेवीजय नारायण चौकसे को उचित कार्य और सामाजिक जागृति हेतु शिक्षा शिरोमणि उपाधि से श्रीमती अर्चना जायसवाल पूनम चौधरी नीलम शिवहरे सहित अन्य महिला ईकाई की महिलाओं द्वारा सम्मानित किया। श्री जय नारायण चौकसे एवं अर्चना जायसवाल का महेश्वर में भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुन की 100 फीट की मूर्ति लगाने को लेकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में संत व मोटनेशन स्पीकर श्री ओम प्रकाश जी का अभिनंदन किया गया श्रीमती जायसवाल ने सभी महिलाओं को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की भागीदारी बनती है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

हंगामे के बीच संसद में बदली वैश्विक तस्वीर, प्रधानमंत्री के संबोधन से निकले बड़े संकेत

विपक्षी दलों की ओर से उठाए गए सवालों और उतार-चढ़ाव के बीच आखिर गुरुवार को प्रधानमंत्री ने राज्यसभा को संबोधित किया। जबकि विपक्ष के नेता को न बोलने देने का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी दलों ने सदन का बहिष्कार किया। बजट सत्र के सातवें दिन संसद में जिस तरह की स्थितियां पैदा हुईं, वे निश्चित रूप से लोकतांत्रिक परंपराओं में संवाद के समाप्त होने और टकराव के बढ़ने का संकेत हैं। एक बार फिर मतभेदों के तीखे होने को ही दर्शाता है। मौजूदा सत्र में पिछले कई दिनों से लगातार हंगामे की स्थिति बनी रही और सदन की कार्यवाही बाधित होती रही। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन शोर-शराबे और हंगामे की वजह से सदन को स्थगित कर दिया गया था। विपक्षी दलों की ओर से उठाए गए सवालों और उतार-चढ़ाव के बीच आखिर गुरुवार को प्रधानमंत्री ने राज्यसभा को संबोधित किया। जबकि विपक्ष के नेता को न बोलने देने का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी दलों ने सदन का बहिष्कार किया। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि विपक्ष सदन नहीं चलने दे रहा। जाहिर है, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जहां समग्र चर्चा होनी चाहिए थी, वहां सदन हंगामे की वजह से बाधित हुआ। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने सरकार के फैसलों और नीतियों को स्पष्ट करते हुए राज्यसभा में अपनी राय रखी। पिछले कुछ समय से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में तेजी से नीतिगत स्तर पर भी बदलाव होते देखे जा रहे हैं और नई व्यवस्था की जमीन बनती दिख रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इसका उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा दौर में स्थितियां संभाली नहीं जा पा रही हैं, तो ऐसे में स्पष्ट दिख रहा है कि दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इससे पहले दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब बदल रही है और अगर इसे तटस्थ भाव से देखा जाए, तो साफ लग रहा है कि झुकाव भारत की ओर है। दरअसल, हाल के वर्षों में विकसित देशों के कूटनीतिक टकरावों और उससे उपजे हालात के बीच वैश्विक दक्षिण के रूप में देखे जाने वाले देशों की समस्याओं पर आवाज उठाने की प्रक्रिया जिस तरह धीमी पड़ रही थी, उसमें भारत को एक उम्मीद की नजर देखा जा रहा था। इसी को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में वैश्विक दक्षिण को लेकर होने वाली चर्चा के सूत्रधार के साथ-साथ भारत को वैश्विक दक्षिण की बुलंद आवाज के रूप में देखा जाता है। भारत के कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते नीतिगत स्तर पर आने वाले समय में काफी अहम साबित होने वाले हैं और उसके परिणामों को लेकर अभी से उत्सुकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ समझौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई विकसित देश किसी विकासशील देश के साथ अपनी पहल से समझौता करता है, तो यह अर्थजगत के लिए एक बड़ा संदेश है।

हवा-पानी-मिट्टी ही नहीं, अब रिश्ते भी प्रदूषित हो रहे हैं

आज 'प्रदूषण' की चर्चा केवल वायु, जल या मृदा तक सीमित नहीं रही। यह धीरे-धीरे मानवीय संबंधों की उस पवित्र भूमि तक पहुँच चुका है, जहाँ कभी विश्वास, प्रेम, समर्पण और सहअस्तित्व के बीज बोए जाते थे। विडंबना यह है कि आज शायद ही कोई ऐसा रिश्ता बचा हो, जिसकी निष्कलुषता पर स्वार्थ, संदेह या अहंकार की परछाईं न पड़ी हो। परिवार, जो कभी सुरक्षा और संस्कार का सबसे सुदृढ़ केंद्र हुआ करते थे, आज स्वयं असंतोष, अविश्वास और विघटन की प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं।

पारिवारिक जीवन से प्रेम, सहयोग, सामंजस्य और सहनशीलता जैसे मूल तत्व तेजी से लुप्त हो रहे हैं। इनके स्थान पर छल, कपट, धोखाधड़ी और वैमनस्य ने जगह बना ली है। आधुनिक मनुष्य इतना आत्मकेंद्रित और लोभग्रस्त होता जा रहा है कि वह रिश्तों को तोड़ते समय न तो संकोच करता है और न ही किसी प्रकार का पश्चाताप अनुभव करता है। परिणामस्वरूप भारतीय समाज में पारिवारिक विघटन, तलाक़ और विवाह-पूर्व 'लिव-इन रिलेशनशिप' की घटनाएँ निरंतर बढ़ रही हैं। संयुक्त परिवारों का एकल परिवारों में सिमटना केवल संरचनात्मक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह सामाजिक-मनोवैज्ञानिक असंतुलन का संकेत भी है, जिसका सीधा प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। अपराध, नशावृत्ति और अवसाद की ओर युवाओं का झुकाव इसी टूटते पारिवारिक ताने-बाने की एक गंभीर परिणति है।

मेरे दृष्टिकोण से रिश्तों का यह क्षरण पर्यावरणीय प्रदूषण से भी अधिक घातक है, क्योंकि यह समाज की आत्मा को भीतर से खोखला कर देता है। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट 'क्राइम इन इंडिया' (सितंबर 2025) से भी होती है। वर्ष 2023 में महिलाओं के विरुद्ध 4.48 लाख से अधिक अपराध दर्ज किए गए, जिनमें लगभग 31.4 प्रतिशत मामले पति या उसके परिजनों द्वारा की गई क्रूरता से संबंधित थे। इसी प्रकार बच्चों के विरुद्ध दर्ज 1.77 लाख अपराधों में पोक्सो अधिनियम के अंतर्गत आने वाले 96 प्रतिशत से अधिक मामलों में आरोपी कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि पीड़ित का परिचित या संबंधी ही था। हत्या जैसे जघन्य अपराधों में भी 'पारिवारिक कलह' एक प्रमुख कारण के रूप में उभरकर सामने आई है। ये आँकड़े केवल अपराध की नहीं, बल्कि रिश्तों के गहरे नैतिक पतन की कहानी कहते हैं।

सनातन संस्कृति में परिवार को सदैव 'संस्कारों की प्रयोगशाला' माना गया है। भारतीय परिवार व्यवस्था कभी ऐसी नैतिक शक्ति का स्रोत थी, जिसकी ओर पाश्चात्य समाज भी आकृष्ट होता था। किंतु आज वही परिवार अपनी परंपराओं, मूल्यों और सांस्कृतिक अनुशासन से दूर होता जा रहा है। युवा पीढ़ी का बढ़ता स्वकेंद्रित दृष्टिकोण इस संकट को और गहरा कर रहा है। कैरियर, भौतिक सुख-सुविधाएँ और व्यक्तिगत स्वतंत्रता उसकी प्राथमिकताओं में शीर्ष पर हैं, जबकि परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व हाशिये पर खिसकते जा रहे हैं। संभवतः यही कारण है कि पवित्र वैवाहिक बंधन के स्थान पर अस्थायी संबंधों को अधिक स्वीकार्यता मिल रही है।

इस सामाजिक परिवर्तन का एक और चिंताजनक संकेत

गिरती प्रजनन दर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार शहरी भारत में कुल प्रजनन दर 1.6 तक पहुँच चुकी है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से काफी नीचे है। यह आँकड़ा भविष्य में एक ऐसे समाज की ओर संकेत करता है, जहाँ बुजुर्ग अकेलेपन से जूझेंगे और पारिवारिक सहारा एक दुर्लभ मूल्य बन जाएगा। लोकसभा की 2024 की एक रिपोर्ट बताती है कि लगभग 60 प्रतिशत भारतीय युवा 'एकाकीपन' का अनुभव कर रहे हैं, जो आगे चलकर अवसाद और नशे जैसी प्रवृत्तियों को जन्म दे सकते हैं। यूनिसेफ की विभिन्न रिपोर्टें भी यह स्पष्ट करती हैं कि किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के पीछे पारिवारिक कलह एक बड़ा कारण है।

आज परिवारों में संवादहीनता और सहनशीलता की कमी ने उस संस्कार-कवच को नष्ट कर दिया है, जो कभी संयुक्त परिवारों के रूप में समाज को संबल देता था। कोरोना काल और उससे जुड़े अनेक अध्ययनों ने यह सिद्ध किया कि संयुक्त परिवारों में रहने वाले लोगों ने भावनात्मक सहयोग के कारण कठिन परिस्थितियों का अधिक सशक्त ढंग से सामना किया। इसके विपरीत, एकल परिवारों में अकेलापन और असुरक्षा की भावना अधिक गहराई से उभरी।

यह समझना आवश्यक है कि आजीविका के कारण भौगोलिक दूरी विवशता हो सकती है, किंतु मन की दूरी केवल हमारे अहंकार और विकृत प्राथमिकताओं का परिणाम है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 'परिवार प्रबोधन' जैसे अभियानों के माध्यम से सामाजिक चेतना जागृत करने का प्रयास न केवल सराहनीय है, बल्कि अन्य सामाजिक संगठनों के लिए अनुकरणीय भी है। 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में परिवार को पुनः विश्वास, संवाद और संवेदनशीलता का केंद्र बनाना केवल संस्थाओं का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है।

ऋग्वेद की शाश्वत प्रार्थना 'संगच्छध्वं संवदध्वं' हमें साथ चलने और संवाद बनाए रखने का संदेश देती है। यदि समय रहते सांस्कृतिक और पारिवारिक चेतना को पुनर्जीवित नहीं किया गया, तो हमारी गौरवशाली परंपरा केवल आँकड़ों और इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएगी। समय की माँग है कि विकास की दौड़ में हम अपनों का हाथ न छोड़ें, क्योंकि सशक्त समाज की नींव सुदृढ़ रिश्तों पर ही टिकी होती है।

लेखक: प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

ई-रिक्शा : मुख्य मार्ग का खलनायक नहीं, लास्ट माइल का नायक

इंदौर ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सोच स्पष्ट हो और इच्छाशक्ति दृढ़, तो कोई भी शहर राष्ट्रीय मानक स्थापित कर सकता है। स्वच्छता के क्षेत्र में मिली ऐतिहासिक उपलब्धियाँ इसका प्रमाण हैं। अब वही दृष्टि और परिपक्वता शहरी परिवहन, विशेषकर ई-रिक्शा और घर के आसपास के स्थानीय आवागमन, के प्रति अपनाने की आवश्यकता है।

आज इंदौर की यातायात समस्या का मूल कारण लंबी दूरी की यात्रा नहीं, बल्कि छोटी दूरी का असंगठित और असुविधाजनक आवागमन है। घर से बस या मेट्रो स्टॉप तक पहुँचना, बच्चों को स्कूल छोड़ना, नजदीकी दुकान से सामान लाना, बुजुर्गों का सामाजिक गतिविधियों में जाना, इन सबके लिए नागरिक को निजी वाहन निकालना पड़ता है। परिणामस्वरूप दोपहिया और कारों की अनावश्यक भीड़ सड़कों पर बढ़ती जाती है, जिसे हम फिर यातायात अव्यवस्था का नाम देते हैं।

दुर्भाग्यवश, इस अव्यवस्था का सारा दोष ई-रिक्शा पर मढ़ देना बहुत आसान काम है। जबकि सच यह है कि ई-रिक्शा समस्या नहीं, समाधान की कुंजी है, बशर्ते उन्हें सही दृष्टिकोण, अनुशासन और नियोजन के साथ जोड़ा जाए। बिना रूट, बिना समय-सारिणी और बिना मानक संचालन के कारण जो अव्यवस्था दिखती है, वह व्यवस्था की विफलता है, साधन की नहीं। निजी वाहन पर बढ़ती निर्भरता कई स्तरों पर नागरिक को परेशान करती है, सुरक्षित पार्किंग का अभाव, वाहन चोरी का भय, बढ़ती उम्र में ट्रैफिक से जूझने का तनाव और सीमित संसाधनों के कारण पूरे परिवार की गतिशीलता पर अंकुश। ऐसे में यदि ई-रिक्शा और इलेक्ट्रिक शटल को हर वार्ड, मोहल्ले और कॉलोनी में फीडर सेवा के रूप में विकसित किया जाए, तो न केवल नागरिक को राहत मिलेगी बल्कि सड़कों पर दबाव भी स्वतः कम होगा।

समय की मांग है कि इंदौर एक इंटीग्रेटेड फीडर नेटवर्क विकसित करे—जहाँ ई-रिक्शा, इलेक्ट्रिक शटल, पब्लिक बाइक और ई-स्कूटर एक-दूसरे के पूरक हों, प्रतिस्पर्धी नहीं। रिहायशी इलाकों के प्रमुख चौराहों और बस स्टॉप्स पर माइक्रो-मोबिलिटी हब हों, डिजिटल भुगतान व्यवस्था सुलभ हो और इस योजना का संचालन स्पष्ट और जटिलता रहित नियमों के अंतर्गत किया जाए।

इस मॉडल के लाभ केवल यातायात तक सीमित नहीं हैं। यदि निजी वाहनों का उपयोग 40-50 प्रतिशत तक घटता है, तो ईंधन की बचत, प्रदूषण में कमी और नेट जीरो लक्ष्य की दिशा में ठोस प्रगति संभव है। इससे सबसे अधिक लाभ वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और युवाओं को मिलेगा, जिनके लिए सुरक्षित और सम्मानजनक आवागमन रोज का प्रश्न है। यातायात प्रबंधन का अर्थ केवल सड़कें चौड़ी करना नहीं, बल्कि नागरिक के समय, ऊर्जा और गरिमा की रक्षा करना है। ई-रिक्शा को नियंत्रित कर, सम्मानित कर और व्यवस्था में शामिल कर हम अव्यवस्था को अवसर में बदल सकते हैं। इंदौर यदि स्वच्छता में देश का मार्गदर्शक बन सकता है, तो सस्टेनेबल और समन्वित परिवहन में भी नेतृत्व कर सकता है—बस आवश्यकता है दोषारोपण से आगे बढ़कर समाधान-केंद्रित सोच अपनाने की।

राजकुमार जैन, यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ

आंचलिक

10 फरवरी से बारिश की संभावना बालियों में गेहूं, तैयार चना

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले में पश्चिमी विक्षोभ के असर से मावठे की बारिश की आशंका बढ़ गई है। मौसम विभाग ने 10 फरवरी से जिले में मावठे की संभावना जताई है। इससे जिले में करीब 3.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी रबी की फसल पर संकट मंडराने लगा है। मौसम की इस चेतावनी के बाद किसानों की चिंता बढ़ गई है। गुरुवार सुबह जिले में हल्की धुंध देखने को मिली। धुंध के कारण सुबह के तापमान में हल्की बढ़ोतरी हुई, जिससे तेज ठंड से लोगों को कुछ राहत मिली। पिछले पांच दिनों से जिले का न्यूनतम तापमान करीब 12 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है। मौसम में उतार-चढ़ाव जरूर है, लेकिन फिलहाल कड़ाके की ठंड नहीं पड़ रही है। इस समय खेतों में गेहूं की फसल बालियां निकाल चुकी है और दाना भरने की अवस्था में है। वहीं चना की फसल भी लगभग तैयार हो चुकी है। ऐसे समय में मौसम का बदलाव किसानों के लिए चिंता का कारण बन गया है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, हल्की धुंध का फसलों पर कोई खास नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। हालांकि यदि मावठे की बारिश होती है तो गेहूं और चना जैसी तैयार फसलें खराब हो सकती हैं। किसान भाव सिंह ने बताया कि उन्होंने पांच एकड़ भूमि में बंटाई पर गेहूं की फसल बोई है। यदि मावठे की बारिश हुई तो फसल को भारी

नुकसान होगा और लागत निकालना भी मुश्किल हो जाएगा। जिले के कसरावद क्षेत्र में पिछले सप्ताह ओलावृष्टि और बारिश से फसलों को पहले ही भारी नुकसान हो चुका है। इससे किसान अभी तक उबर भी नहीं पाए हैं। मोगांवा, दोगावां, टिगरियाव, गवला, नावडाटोड़ी, बलगांव, अहिल्यापुरा, माकड़खेड़ा सहित 16 गांवों में सैकड़ों एकड़ क्षेत्र में गेहूं, चना, मक्का, केला और सब्जी की फसलें प्रभावित हुई थीं। पिछले पांच दिनों में जिले का अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है, जबकि न्यूनतम तापमान 11 से 12.6 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। किसान अब मौसम की अगली चाल पर नजर लगाए हुए हैं। यदि मावठे की बारिश नहीं होती है तो फसलों को राहत मिलेगी, लेकिन बारिश हुई तो नुकसान और बढ़ सकता है।

किरायेदार, नौकरों की डिटेल देना जरूरी, बिना अनुमति जुलूस और धरना नहीं होगा - कलेक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत कई प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। ये आदेश 5 अप्रैल तक प्रभावी रहेंगे। आदेशों का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी होटल, लॉज और धर्मशालाओं को किसी भी व्यक्ति को ठहराने से पहले उसका प्रामाणिक पहचान पत्र लेना अनिवार्य होगा। साथ ही ठहरने वाले व्यक्तियों की जानकारी उसी दिन संबंधित थाने को देना होगी इसके अलावा मकान मालिकों को नए किरायेदारों और घरेलू नौकरों के स्वामियों को नए कर्मचारियों की जानकारी भी अनिवार्य रूप से थाने में जमा करनी होगी।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के तहत हरसूद, पंधाना, मूंदी और ओंकारेश्वर नगरों की सीमा में बिना अनुमति कोई भी जुलूस, रैली, धरना या प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। आयोजकों को कार्यक्रम से कम से कम 15 दिन पहले अनुमति के लिए आवेदन करना होगा। आवेदन

में आयोजक का मोबाइल नंबर, फोटो, प्रतिभागियों की संख्या और दो व चार पहिया वाहनों की संख्या की जानकारी देना अनिवार्य होगी। जुलूस के दौरान एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और शासकीय वाहनों को मार्ग देना आयोजकों की जिम्मेदारी होगी। रात्रि 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी। सार्वजनिक स्थलों, खंभों और सड़कों पर झंडे, बैनर और पोस्टर लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। जुलूस की वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी, जो पुलिस विभाग के निर्देशन में कराई जाएगी। इसका खर्च आयोजक को वहन करना होगा। विभिन्न धर्मों से जुड़े आयोजनों के दौरान खंडवा शहर को 'नो ड्रोन जोन' घोषित किया गया है। सायबर अपराधों की रोकथाम के लिए जिले के सभी सायबर कैफे में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य किया गया है। कैमरों की रिकॉर्डिंग कम से कम एक माह तक सुरक्षित रखनी होगी। सायबर कैफे कर्मचारियों की पूरी जानकारी फोटो और पहचान पत्र सहित थाने में जमा करानी होगी। बिना आईडी प्रूफ के किसी भी व्यक्ति को कम्प्यूटर उपयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी सिस्टम में पोर्न साइट फिल्टर अनिवार्य रहेगा। वॉट्सएप, फेसबुक सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर धार्मिक भावनाएं भड़काने वाली पोस्ट, फोटो या वीडियो साझा करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में ग्रुप एडमिन और पोस्ट प्रसारित करने वाला व्यक्ति दोनों जिम्मेदार माने जाएंगे। यदि किसी ग्रुप में आपत्तिजनक सामग्री साझा की जाती है, तो ग्रुप एडमिन को तत्काल पुलिस को सूचना देना अनिवार्य होगा। सूचना नहीं देने पर एडमिन को भी दोषी माना जाएगा। कलेक्टर ने चेताया कि सोशल मीडिया पर किसी भी धर्म या समुदाय से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री साझा या फॉरवर्ड ना करें।

मंडी गेट पर एक माह से अधूरी खुदाई, गड्ढे में फंसा ट्रक, बाधित रहा यातायात

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● शहर में नालियों पर अतिक्रमण नगर पालिका के लिए बड़ी परेशानी बनता जा रहा है। अतिक्रमण के कारण नालियों की निकासी प्रभावित हो रही है, वहीं समस्या के समाधान के लिए की जा रही खुदाई ने आमजन की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। बुधवार को बिस्टान रोड स्थित अनाज मंडी गेट के सामने नाली की निकासी दुरुस्त करने के लिए की गई खुदाई के चलते एक ट्रक गड्ढे में फंस गया, जिससे करीब एक घंटे तक यातायात व्यवस्था बाधित रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक फंसने से मंडी गेट के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से ट्रक को बाहर निकाला गया, तब जाकर यातायात सामान्य हो सका। आसपास के दुकानदारों ने बताया कि मंडी गेट के सामने चार से पांच दिन पहले खुदाई की गई थी, लेकिन अब तक वहां निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। अधूरी खुदाई के कारण मंडी में आने-जाने वाले छोटे-बड़े वाहनों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। अनाज मंडी में 24 घंटे वाहनों की आवाजाही बनी रहती है, ऐसे में हादसे की आशंका भी बढ़ गई है।

रेणुका झील बनेगी पर्यटन स्थल, सीवरेज का पानी नहीं आएगा

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● रेणुका झील को अमृत योजना 2.0 के तहत नए रूप में विकसित किया जा रहा है। इस काम पर करीब 1 करोड़ 95 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने झील में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मोहम्मदपुरा गांव से आने वाले गंदे पानी को रोकने के लिए एक खास चेंबर बनाया गया है, ताकि अब सीवरेज का पानी झील में न जा सके। झील के चारों ओर सुरक्षा और मजबूती के लिए गैबियन संरचना और स्टोन पिचिंग का काम किया जाएगा। इसके साथ ही लोगों के घूमने के लिए वॉक वे बनाई जाएगी। झील में मछलियों के बीज भी डाले जाएंगे। झील को सुंदर बनाने के लिए यहां तीन फव्वारे लगाए जाएंगे और 1750 पौधे लगाए जाएंगे। इससे झील और उसके आसपास का वातावरण और भी बेहतर होगा। आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि पहले झील की हालत खराब थी, लेकिन अब अमृत योजना 2.0 के तहत इसका पूरी तरह से सुधार किया जा रहा है। इसे पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। भविष्य में झील में बोटिंग की सुविधा शुरू करने की योजना है। इससे रेणुका झील शहर का एक अच्छा पिकनिक और घूमने का स्थान बन सकेगी।

लोकायुक्त ने मोजेस को सस्पेंड करने को कहा, सिविल सर्जन रिश्वत लेते पकड़े गए थे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. प्रदीप मोजेस के खिलाफ राज्य सरकार ने 15 दिसंबर को न्यायालय में अभियोजन चलाने की स्वीकृति दी थी, और अब इसी रिश्वतखोरी के मामले में लोकायुक्त कार्यालय ने मध्य प्रदेश सरकार से उन्हें निलंबित करने का अनुरोध किया है। मामला नर्मदापुरम में पूर्व पदस्थापन के दौरान रिश्वत लेने से जुड़ा है और फिलहाल निलंबन पर निर्णय लंबित है। मध्य प्रदेश सरकार ने डॉ. प्रदीप मोजेस के खिलाफ एक महीने पहले अभियोजन चलाने की स्वीकृति जारी की थी। यह आदेश बाद में सामने आया। डॉ. मोजेस पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7, 12, 13-1 बी, 13-2 (संशोधन 2018) और धारा 120 बी भारदंवि के तहत अभियोजन की अनुमति दी गई है। 30 जनवरी को एसपी विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त कार्यालय भोपाल ने प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश सरकार, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मंत्रालय भोपाल को पत्र भेजा। इसमें डॉ. प्रदीप मोजेस और नर्मदापुरम की एक तत्कालीन महिला संविदा लेखापाल के निलंबन की अनुशंसा की गई है। यह पत्र अब सार्वजनिक हुआ है। पूरा मामला रिश्वतखोरी से जुड़ा है। डॉ. प्रदीप मोजेस और एक महिला संविदा लेखा प्रबंधक ने सीएमएचओ कार्यालय नर्मदापुरम में पदस्थ रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया था। दोनों ने सहायक ग्रेड-3 मदनमोहन वर्मा से बिल भुगतान के बदले रिश्वत की मांग की थी। यह घटना 29 अप्रैल 2022 की है।

सीएम तीर्थदर्शन योजना- अयोध्या जा सकेंगे वृद्धजन-27 फरवरी को जाएगी ट्रेन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत खंडवा जिले के वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या तीर्थ यात्रा का अवसर मिलेगा। कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अयोध्या के लिए स्पेशल ट्रेन 27 फरवरी को रवाना होगी, जो यात्रा पूरी कर 2 मार्च को वापस लौटेगी। इस यात्रा के लिए इच्छुक जिले के वृद्धजन 6 फरवरी से 13 फरवरी तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन उसी क्षेत्र के नगरीय निकाय या जनपद पंचायत कार्यालय में जमा किए जाएंगे, जहां आवेदक निवासरत हैं खास बात यह है कि, आवेदक को शासकीय चिकित्सालय से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि वह टीबी, हृदय रोग या श्वास अवरोध जैसी किसी संक्रामक या गंभीर बीमारी से ग्रसित नहीं है।

ये हैं पात्रता की शर्तें

- आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए।
- पुरुषों की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक अनिवार्य।
- महिलाओं को 2 वर्ष की आयु में छूट दी गई है।
- आवेदक आयकर दाता नहीं होना चाहिए।
- पूर्व में इस योजना के तहत किसी भी तीर्थ स्थल की यात्रा न की हो।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी आवेदक द्वारा असत्य जानकारी दी गई या तथ्य छुपाए गए, तो उसका आवेदन किसी भी समय निरस्त किया जा सकता है। साथ ही, जो लोग पहले इस योजना के तहत किसी एक तीर्थ स्थान की यात्रा कर चुके हैं, उनके आवेदन स्वतः ही खारिज किए जाएंगे।

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

हरारे (एजेंसी) ● भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भाररीय टीम को 13 मुकाबलों में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणान नहीं निकला।। दूसरी ओर इंग्लैंड को 13 मैचों में जीत मिली है। फाइनल में पहुंचने के बाद उत्साहित भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि यहां पहुंचने का अहसास काफी अच्छा है। हमारे लिए विश्वकप कप फाइनल खेलना सुखद अनुभवी है। सभी प्रशंसकों से मेरी अपील है कि आप इसी प्रकार हमारा समर्थन करते रहें। हम फाइनल मैच में अपनी ओर से जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हम फाइनल मैच को केवल एक गेम की तरह ही रखेंगे। भारत ने जहां पहले सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज के 115 रनों की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ-साथ गेंदबाजी यूनिट भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है। फाइनल में इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती दे सकता है।

पीएसएल में खेलेंगे स्मिथ

सिडनी (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को अब पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। स्मिथ इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में उतरे थे पर उनपर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगायी। ऐसे में स्मिथ अब पीएलएल 2026 सत्र में खेलना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने प्रयास भी शुरु कर दिये हैं। स्मिथ को एक टीम से प्रस्ताव भी मिला है जिससे उनका करार भी हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्मिथ पीएसएल के 10वें सीजन में सियालकोट स्टैलियंस की ओर से खेलते दिखेंगे। सियालकोट 7 फरवरी को अपने रिटेंशन प्लेयर्स की लिस्ट को जारी करेगी। उस सूची में स्टीव स्मिथ का नाम भी शामिल होने की संभावना है। अगर इस बीच आईपीएल में उन्हें अवसर मिल जाता है तो वह पीएसएल छोड़ भी सकते हैं। ऐसा पहले भी कई खिलाड़ियों ने किया है। स्मिथ काफी समय तक आईपीएल खेले हैं और उन्होंने दो टीमों की कप्तानी भी की है। पीएसएल में 8 टीमें उतरेंगे जिसमें से 6 टीमों ने अपने खिलाड़ियों की सूची जाहिर कर दी है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स टीम ने किसी को भी रिटेन नहीं किया है। नीलामी से वह टीम खिलाड़ियों को शामिल करेगी। वहीं, नई बनी टीम सियालकोट स्टैलियंस और हैदराबाद की टीम 7 फरवरी को नामों की घोषणा करेगी। इस्लामाबाद युनाइटेड ने 3, जबकि लाहौर कलंदर्स, पेशावर जाल्मी, क्वेटा ग्लैडिएटर्स और कराची किंग्स ने 4-4 खिलाड़ी रिटेन किये हैं।

टी20 विश्वकप में अभिषेक पर रहेंगी नजरें : शास्त्री

मुंबई (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री मानना है कि टी20 विश्वकप में आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। शास्त्री के अनुसार अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड साबित होंगे। इस पूर्व कोच के अनुसार अभिषेक निडर होकर खेलते हैं। उनमें गजब का आत्मविश्वास है और ऐसे में वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर देते हैं। इसके अलावा उन्हें घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इससे वह टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। यहां एक कार्यक्रम में शास्त्री ने अभिषेक की जममर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विश्वकप में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे जो मैच बदलने में सक्षम रहेगा।

उनके अनुसार अभिषेक इस समय जबरदस्त लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। जिस प्रकार का आत्मविश्वास उसके अंदर भरा हुआ है। उससे भी उससे एक आक्रामक बल्लेबाज बनने में सहायता मिली है। वह मैदन में उतरते ही विरोधी टीम के गेंदबाजों पर दबाव बना देता है। शास्त्री का मानना है कि अभिषेक की सबसे बड़ी ताकत उकसा आत्मविश्वास है। वह घरेलू दर्शकों का समर्थन मिलने से और भी खतरनाक हो जाता है। साथ ही कहा , अगर अभिषेक रन बनाते हैं, तो इसका सीधा मतलब है कि भारत मैच में आगे बना रहेगा रहेगा। इससे अंदाजा होता है कि अब भारतीय टीम की सफलता काफी कुछ अभिषेक की बल्लेबाजी पर आधारित रहती है। अभिषेक ने सबसे पहले आईपीईएल 2024 में अपने आक्रामम प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था।

फिल्म 'दि इंडिया हाउस' का हिस्सा बनकर सई मांजरेकर गदगद

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री सई एम मांजरेकर आने फिल्म 'दि इंडिया हाउस' का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म का निर्माण पावरहाउस राम चरण अपनी पहली प्रोडक्शन के तौर पर कर रहे हैं। फिल्म को एक साथ हिंदी और तेलुगु भाषा में बनाया जा रहा है, जो सई के लिए 'मेजर' के बाद दूसरी ऐसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग दोनों भाषाओं में साथ-साथ हुई है। हिंदी और तेलुगु सिनेमा में पहले भी काम कर चुकीं सई का कहना है कि 'दि इंडिया हाउस' उनके करियर का एक स्वाभाविक, लेकिन बेहद समृद्ध करने वाला पड़ाव है। बड़े स्तर पर बनाई जा रही यह फिल्म एक मज़बूत पीरियड कहानी को दर्शाती है, जिसमें सई सती नाम के एक अहम किरदार में नज़र आएंगी, जो कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ता है। सई मांजरेकर ने कहा कि दि इंडिया हाउस अब तक मेरे करियर के सबसे गहराई से जुड़े और संतोषजनक अनुभवों में से एक रही है। एक ही फिल्म को हिंदी और तेलुगु में साथ-साथ शूट करना रोमांचक होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी होता है, क्योंकि कई बार एक ही दिन में भावनाओं, भाषा और सांस्कृतिक बारीकियों के बीच बार-बार बदलाव करना पड़ता है। इसके लिए बहुत फोकस और तैयारी की जरूरत होती है, लेकिन यह आपको एक अभिनेता के तौर पर और निखारता है।

कलाकारों के सपनों को उड़ान देने नया एक्टिंग स्कूल खोला अनुपम ने

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता अनुपम खेर बीते 21 साल से मुंबई में अपना एक्टिंग स्कूल एक्टर्स प्रीपेयर्स चला रहे हैं, लेकिन उन्होंने दिल्ली के कलाकारों को सपनों की उड़ान देने के लिए नया एक्टिंग स्कूल दिल्ली में खोला है। अनुपम खेर ने दिल्ली के कलाकारों को अपने सपने बिना भय के जीने का नया मौका दिया है और 31 जनवरी को दिल्ली में नए एक्टिंग स्कूल का उद्घाटन किया है। अभिनेता नए एक्टिंग स्कूल की ओपनिंग से बहुत खुश हैं क्योंकि अब एक्टिंग में अपना करियर बनाने वाले युवाओं को मुंबई का रुख नहीं करना पड़ेगा। अनुपम खेर ने वीडियो शेयर कर कहा, राजधानी अब साहस और कला का घर बन गई है। एक ऐसी जगह जहां प्रतिभा को निखारा जाता है, कमजोरी ताकत बन जाती है, और सपनों को ईमानदारी और अनुशासन के साथ संवारा जाता है। अगर आपके मन में कहीं क्या हो अगर? की आवाज़ गूंजती है, अगर एक्टिंग आपका वो सपना है जिसे आपने अब तक के लिए टाल रखा था, तो ये रहा आपका पल। अभिनेता ने ये भी साफ किया कि उनके मुंबई के एक्टिंग स्कूल एक्टर्स प्रीपेयर्स ने दीपिका पादुकोण, कियारा आडवाणी, वरुण धवन, ऋतिक रोशन जैसे कई सुपरस्टारों को निखारा है। उन्होंने कहा, हमने दीपिका पादुकोण, कियारा आडवाणी, वरुण धवन, ऋतिक रोशन जैसे कई सुपरस्टारों को आशा, भय और अटूट सपने से भरे हुए हमारी कक्षाओं में आते देखा है, और फिर वे ऐसे अभिनेता बनकर निकले जिन्होंने विश्वास करने का साहस दिखाया और अपने अनूठे तरीके से सफलता की कहानियां गढ़ीं।

उज्जैन संभाग

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के दौरान हादसा गुब्बारे में लगी आग, मंच से गिरे कार्यकर्ता

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के उज्जैन आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। शहर के युवाओं ने उनका अभिनंदन आतिशबाजी, विशाल मालाओं और अनोखे अंदाज में किया। दो तालाब क्षेत्र के पास स्वागत मंच पर गुब्बारे में आग लग गई। बैलून फूटने की आवाज के साथ आग का गोला निकल आया। यहां भारतीय जनता युवा मोर्चा के कोषाध्यक्ष जयंत गरुण ने स्वागत मंच लगाया था। इस दौरान मंच पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। एक बड़े हार में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर, शहर अध्यक्ष संजय अग्रवाल सहित जयंत गरुण भी मौजूद थे। अचानक स्वागत मंच पर गुब्बारे के फूटने की आवाज के साथ आग का गोला निकल आया। इस दौरान मंच पर मौजूद कई लोग नीचे गिर गए और भीड़ में अफरा-तफरी मच गई।

महाशिवरात्रि पर सतत 44 घंटे महाकाल दर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में भक्तों को इस बार भी लगातार 44 घंटे दर्शन का लाभ मिलेगा। बारह ज्योतिर्लिंगों में केवल महाकालेश्वर मंदिर में साल में एक बार महाशिवरात्रि पर यह विशेष व्यवस्था होती है। मंदिर के पट 14 फरवरी को देर रात 2:30 बजे खोले जाएंगे। इसके बाद दर्शन का क्रम लगातार शुरू होगा, जो 16 फरवरी रात 11 बजे शयन आरती के बाद पट बंद होने तक जारी रहेगा। महाशिवरात्रि पर 15 फरवरी को शयन आरती नहीं होगी। इस बार 16 फरवरी की भस्मआरती दोपहर 12 बजे संपन्न कराई जाएगी।

पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे छात्र, डायल-112 और आपातकालीन सेवाओं का लाइव डेमो देखा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● पुलिस ने अपराध रोकथाम और आपातकालीन सेवाओं की जानकारी देने के लिए एक्सीलेंस स्कूल के छात्रों को पुलिस कंट्रोल रूम का भ्रमण कराया। इस दौरान विद्यार्थियों को सीसीटीवी कैमरों के उपयोग, डायल-112 की कार्यप्रणाली और अन्य आपातकालीन सेवाओं का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया गया। 5 फरवरी को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माधवनगर के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के आईटी, आईटीईएस और सुरक्षा ट्रेड के विद्यार्थियों ने यह शैक्षणिक भ्रमण किया। उन्हें बताया गया कि शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे अपराधों पर कैसे नजर रखते हैं और जांच में कैसे सहायक होते हैं। पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को समझाया कि कॉलोनियों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर लगे कैमरों से संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर अपराधों को समय रहते रोका जा सकता है। छात्रों से अपील की गई कि वे अपने आसपास लगे कैमरों के प्रति जागरूक रहें और सुरक्षा के इस माध्यम का महत्व समझें।

इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को डायल-112 आपातकालीन सेवा का लाइव डेमो भी दिखाया गया। उन्हें बताया गया कि आपात स्थिति में कॉल आने पर कंट्रोल रूम में सूचना कैसे मिलती है, फील्ड रिस्पॉन्स व्हीकल को कैसे रवाना किया जाता है और पुलिस मौके पर पहुंचकर कैसे कार्रवाई करती है। भ्रमण के दौरान दुर्घटना जैसी परिस्थितियों से निपटने की प्रक्रिया भी समझाई गई। छात्रों को स्ट्रेचर का उपयोग, घायल को सुरक्षित उठाने का तरीका और आपातकालीन उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई।

महिला सुरक्षा के संदर्भ में निर्भया वाहन की भूमिका पर भी विशेष जानकारी दी गई। छात्रों को बताया गया कि संकट की स्थिति में निर्भया वाहन कैसे त्वरित सहायता प्रदान करता है और स्कूल-कॉलेज क्षेत्रों में इसकी निगरानी कैसे की जाती है। पुलिस अधिकारियों ने यह भी बताया कि आईटी और तकनीक का उपयोग अपराधों की विवेचना, अपराधियों को ट्रेस करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उज्जैन में बन रहा पहला फूड जोन 'नैवेद्य लोक', निर्माण अंतिम चरण में

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नानाखेड़ा क्षेत्र में शहर का पहला फूड जोन 'नैवेद्य लोक' अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। रात के समय रोशनी से जगमगाता यह परिसर अब उज्जैन के प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरने लगा है। इंदौर की प्रसिद्ध छप्पन दुकान की तर्ज पर विकसित किए जा रहे इस फूड जोन में एक ही स्थान पर शाकाहारी और स्थानीय स्ट्रीट फूड का अनुभव मिलेगा। इसका उद्देश्य उज्जैन को धार्मिक नगरी के साथ-साथ स्वाद के केंद्र के रूप में स्थापित करना है। परिसर में कुल 34 दुकानें बनाई गई हैं, जहां स्थानीय व्यंजन, चाट, स्नैक्स, फास्ट फूड और कैजुअल डाइनिंग की सुविधा होगी। शुरुआत में 36 दुकानों का प्रस्ताव था, जिसे अंतिम रूप देते हुए 34 दुकानें तय की गई हैं। पूरे क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन के रूप में विकसित किया गया है। यहां वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा, जिससे लोग आराम से घूमते हुए भोजन का आनंद ले सकें। बैठने की अच्छी व्यवस्था, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल और खुले वॉकवे इस परिसर की खासियत होंगे। 'नैवेद्य लोक' को आधुनिक लाइटिंग और ओपन डिजाइन के साथ तैयार किया गया है। शाम होते ही पूरा परिसर रोशनी से जगमगा उठेगा, जिससे यह शहर का नया आकर्षण बनेगा। सिविल निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और प्रवेश द्वार, पार्किंग सहित अन्य सुविधाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उम्मीद है कि मार्च-अप्रैल तक यह फूड जोन आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

फिल्म 'घूसखोर पंडत' के मेकर के चेहरे पर कालिख पोतेंगे, ब्राह्मण समाज आक्रोशित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नेटफ्लिक्स पर अभिनेता मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'घूसखोर पंडत' का टीजर जारी होते ही विवाद खड़ा हो गया है। देश के कई शहरों में ब्राह्मण समाज ने फिल्म के टायटल का विरोध किया है। इधर उज्जैन में भी फिल्म के नाम को लेकर अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने विरोध दर्ज कराते हुए ऐसी फिल्म बनाने वालो के मुंह पर कालिख पोतने की बात कही है। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने 3 फरवरी को मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'घूसखोर पंडत'' का टीजर रिलीज किया था। रिलीज से पहले ही फिल्म के टायटल को लेकर विवादों में फंस गई है। फिल्म के टाइटल को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि फिल्म का शीर्षक ब्राह्मण समुदाय के प्रति अपमानजनक है। इधर जयपुर और दिल्ली के बाद अब उज्जैन में भी फिल्म पर रोक लगाने की मांग उठने लगी है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष महेश शर्मा ने बताया कि फिल्म के नाम में ही पंडितों और ब्राह्मणों का अपमान है। देश में ब्राह्मणों, क्षत्रिय और वैश्य समाज को गाली देने का पैटर्न चल गया है। अपमानित करने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक कानून पंडितों के लिए बनाना चाहिए। हम निंदा करते हैं ऐसे फिल्म मेकर की। वक्त आने पर पुतले जलाएं जाएंगे, हमारी नजर के सामने आएंगे तो मुंह पर कालिख पोती जाएगी।

'ग्रूमिंग लव जिहाद' बुर्के में भगाया, प्रेमजाल में फंसाकर नाबालिग इंदौर की मुस्लिम बस्ती में मिली

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● चिमनगंज मंडी थाना क्षेत्र से लापता हुई 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर इंदौर के आजाद नगर इलाके से बरामद कर लिया है। लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ मिली और रेस्क्यू के वक्त भी वह बुर्का पहने हुए थी। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने रेप की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। मामले में और आरोपियों के जुड़ने की संभावना जताई गई है। युवक पुलिस के मुताबिक 2 फरवरी की सुबह लड़की घर से निकली, जब उसकी मां काम पर जा चुकी थी। सीसीटीवी फुटेज में सामने आया है कि युवक एक्टिवा से उसका पीछा करता हुआ नजर आया। घर से कुछ दूरी पर उसे एक्टिवा पर बैठाया गया। टावर पर उतारा, वहां इंतजार कर रहा था नाबालिग बॉयफ्रेंड जांच में सामने आया कि लड़की को टावर के पास उतारा, जहां पहले से उसका नाबालिग बॉयफ्रेंड मौजूद था। इसके बाद दोनों बस स्टैंड के जरिए इंदौर पहुंचे और आजाद नगर इलाके में रुके। 3 फरवरी को एफआपईआर, 4 फरवरी को इंदौर से रेस्क्यू 3 फरवरी को चिमनगंज मंडी थाने में गुमशुदगी दर्ज हुई। एफआपईआर के बाद पुलिस ने परिवार, सहेलियों और संदिग्धों से पूछताछ की। मोबाइल चैट और तकनीकी इनपुट के आधार पर 4 फरवरी की शाम को पुलिस ने लड़की को इंदौर से बरामद कर लिया। पीड़िता ने रेप का आरोप लगाया, मेडिकल कराया गया पुलिस के अनुसार पीड़िता ने बयान में दुष्कर्म की बात कही, जिसके बाद उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। पीड़िता के 164 के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए जाने हैं। मेडिकल और एफएसएल रिपोर्ट की विस्तृत जानकारी आना बाकी है।

न्यूज ब्रीफ

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध महू क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया है कि आज गुरूवार आबकारी विभाग के अमले द्वारा वृत्त महू में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि आबकारी अमले द्वारा महू के भौंडिया तालाब, बंजारी, भाटखेड़ी सहित कुल 10 छापों स्थानों पर दबिश दी गयी। कार्रवाई के दौरान कुल 210 लीटर हाथ भट्टी मदिरा तथा 1750 किलोग्राम महुआ लहान सैंपल लेकर मौके पर ही नष्ट करवायी गयी। मदिरा, महुआ लहान व अन्य सामग्रियों का कुल बाज़ार मूल्य लगभग 2 लाख 17 हजार रुपये है। उक्त कार्रवाई में 10 प्रकरण आबकारी अधिनियम 1915 के अंतर्गत विभिन्न धाराओं के तहत पंजीबद्ध किये गये।

मंत्री सिलावट ने लोक निर्माण विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज लोक निर्माण विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उपस्थित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सांवेर विधानसभा में कई सड़कों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसलिए आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 को ध्यान में रखते हुए सांवेर विधानसभा में निर्माणाधीन 20 से अधिक सड़कों का निर्माण समय-सीमा में कराये और इसकी मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन मौके पर जाकर करें। जिन सड़कों की निविदाएं जारी हो चुकी है उनकी निविदाएं खोलकर समय-सीमा में अनुबंध आदि की कार्यवाही कर कार्य प्रारंभ करें।

आईडीए स्कीम 171 को मुक्त करने का लाएगा प्रस्ताव एसीएस की नसीहत, भूमाफियाओं से निपट लेगा प्रशासन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) आखिरकार स्कीम 171 को मुक्त करने के लिए अगली बोर्ड बैठक में प्रस्ताव ला रहा है। इसकी बड़ी वजह नगरीय प्रशासन विभाग एसीएस संजय दुबे की सीधी नसीहत है। दो फरवरी को आईडीए सीईओ परीक्षित झाड़े भोपाल में जाकर एससीएस दुबे से मिले थे। इसमें इस स्कीम को लेकर भी अहम निर्देश दिए गए थे। बुधवार, 4 फरवरी को स्कीम से प्रभावित पीड़ित एक बार फिर आईडीए दफ्तर पहुंचे थे। यहां बंद कमरे में प्लॉटधारकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई थी।

इसमें सीईओ ने कहा था कि नियमानुसार अगली बोर्ड बैठक में इस स्कीम को लेकर प्रस्ताव आएगा। साथ ही, सभी की सहमति से नियम से फैसला होगा।

इस स्कीम को मुक्त करने का इंतजार हजारों प्लॉटधारक करीब 35 साल से कर रहे हैं। इसके लिए 5.90 करोड़ की राशि भी आईडीए जमा करा चुका है। वहीं, इसके बाद भी स्कीम मुक्त नहीं की। अगस्त 2025 की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव आया लेकिन इसमें एक नया पेंच फंस गया था। यह पेंच स्कीम से मुक्ति के बाद भूमाफियाओं के जरिए जमीन के खेल से बचने के लिए रखा गया था। वहीं, इससे आम प्लॉटधारक परेशान हो गए थे। इसी बात को लेकर एसीएस दुबे ने सीईओ को दो फरवरी को भोपाल में साफ नसीहत दी कि भूमाफियाओं के खेल की चिंता बिल्कुल मत करो। नियम से राशि जमा कराई है और जब वहां काम नहीं हो सकता है और ना ही नई स्कीम लाने की गुंजाइश है तो मुक्त करो। भूमाफियाओं से निपटने में शासन, इंदौर प्रशासन और पुलिस सब सक्षम है। नियम से आगे बढ़ो और बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास कर फैसला लो।

इस स्कीम की जमीन पर पहले भूमाफियाओं का भारी खेल था।

स्कीम में 13 सोसायटी में 6 हजार प्लॉटधारक हैं

इस स्कीम के चलते 35 साल से परेशान 13 सोसायटी के करीब 6 हजार भूखंड धारक परेशान हैं। इन सोसायटी में देवी अहिल्या श्रमिक कामगार सहकारी संस्था, इंदौर विकास गृह निर्माण संस्था, मजदूर पंचायत गृह निर्माण संस्था, मारुति गृह निर्माण संस्था, सन्नी को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, रजत गृह निर्माण संस्था, संजना गृह निर्माण संस्था, अप्सरा गृह निर्माण संस्था, न्याय विभाग कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था और श्रीकृपा गृह निर्माण सहकारी संस्था के प्लाटधारक शामिल हैं।

वहीं, तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह ने यहां भू-माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाकर प्लॉटधारकों को कब्जे दिलवाए थे। इसके बाद से ही स्कीम मुक्त होने की बात चलती रही, लेकिन हुआ नहीं। कलेक्टर रहते हुए आईएएस आशीष सिंह ने भी काफी प्रयास किए थे। इसके बाद प्लॉटधारकों से विकास शुल्क भी भरवाया गया था। वहीं, अगस्त 2025 के बोर्ड प्रस्ताव में घुमावदार फैसला हो गया और फिर मामला अटक गया था। इसके बाद कलेक्टर शिवम वर्मा भी लगातार इसके लिए प्रयास करते रहे हैं। अब जाकर सभी के संयुक्त प्रयास से इसमें प्लाटधारकों को राहत मिलते दिख रही है।

8 अगस्त 2025 को हुई अहम बोर्ड बैठक में लिखित संकल्प पास हुआ था। इसमें लिखा गया कि प्राधिकारी की योजना 171 के आपत्तियों के संबंध में गठित समिति की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। इसमें विचार करने के बाद यह फैसला लिया जाता है- स्कीम 171 में शामिल कुल 151.33 हेक्टेयर भूमि से रकबा 115.828 हेक्टेयर निजी भूमि स्वामियों की है और 35.725 हेक्टेयर सरकारी भूमि है। कुल भूधारकों की संख्या 221 है। इसमें से 13 सहकारी गृह निर्माण संस्थाओं की कुल 78.443 हेक्टेयर भूमि है। प्राधिकारी बोर्ड का मत है कि योजना के तहत स्थित निजी भूमि (संस्थाओं की भूमि छोड़कर) व शासकीय भूमियों का सर्वेक्षण कराकर नियोजन किया जाना उचित होगा। इससे क्षेत्र का नियोजित विकास किया जा सकेगा व प्राधिकारी के भी हित संरक्षित रहेंगे। योजना के तहत सहकारी गृह निर्माण संस्थाओं की भूमियों की स्थिति स्पष्ट की जाए। संस्थाओं की भूमियों को योजना से मुक्त करने पर रिपोर्ट भू अर्जन, नियोजन और तकनीकी शाखा से ली जाए। रिपोर्ट में वैधानिक स्थिति और प्राधिकरण के हित को ध्यान में रखते हुए विचार किया जाए।

इस संकल्प के क्या मायने हैं-इस संकल्प से तय किया गया था कि इसमें से निजी भूस्वामियों की जमीन और सरकारी जमीन को स्कीम से मुक्त नहीं किया जाएगा। केवल 13 सहकारी संस्थाओं के पीड़ितों को ही इसका लाभ मिलेगा। उनकी जमीन को स्कीम से मुक्त किया जाएगा।

बीआरटीएस पर एलिवेटेड कॉरिडोर पर अभी रोक नहीं, याचिका ट्रैफिक मामलों के साथ हुई लिंक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर बीआरटीएस में एलआईजी से नवलखा चौराहे के हिस्से में बनने वाले एलिविटेड कॉरिडोर पर रोक नहीं लगी है। इस मामले को लेकर इंजीनियर अतुल सेठ द्वारा लगाई गई जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि यह भी बीआरटीएस और ट्रैफिक से जुड़ा मसला है, इसलिए इसे अन्य याचिकाओं के साथ लिंक किया जाता है। इस पर अब 25 फरवरी को सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता सेठ के अधिवक्ता अभिनव धनोतकर ने पक्ष रखा कि इसे लेकर जो दो सर्वे हुए इसमें साफ है कि इस कॉरिडोर का कोई मतलब नहीं है। कॉरिडोर को लेकर सर्वे सही नहीं होने पर भी काम शुरू हो जाएगा और एनआईटी जारी हो जाएगी।

इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि पहले यह कॉरिडोर नहीं बन रहा था, अब सरकार का फैसला है कि बनना है, हम नीतिगत फैसलों पर नहीं कह सकते हैं। इस पर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने फिर कहा कि सर्वे तो सही होना चाहिए इसकी उपयोगिता अभी नहीं दिख रही है। थोड़ी देर सुनवाई के बाद इस केस को 25 फरवरी के लिए लिस्ट किया गया। फरवरी 2025 में ही इंदौर में बीआरटीएस हटाने का फैसला हो चुका है। हाईकोर्ट भी मंजूरी दे चुका है लेकिन अभी तक पूरे 11.20 किमी हिस्से से रेलिंग नहीं हटी है। इसे लेकर हाईकोर्ट में लगातार सुनवाई हो रही है और अधिकारियों को जवाब देना पड़ रहा है। बीती सुनवाई में अधिकारियों ने कहा कि 6 किमी हिस्से में एलिवेटेड कॉरिडोर का काम 15 फरवरी में शुरू हो रहा है, इसलिए इस हिस्से को छोड़कर बाकी बचे 3 किमी हिस्से में रेलिंग हटाने का काम किया जाएगा। सीएम डॉ. मोहन यादव 14 दिसंबर को इंदौर में हुई विकास बैठक में एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूर कर चुके हैं। उधर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय हाल ही में इस कॉरिडोर को लेकर जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के साथ बैठक की थी। इसमें कई तरह के सुझाव थे, हालांकि जनप्रतिनिधि कॉरिडोर के पक्ष में थे, लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने इसमें कई सुधार की जरूरत बताई। जैसे कि यह टू-लेन की जगह कम से कम थ्री लेन होना चाहिए। यह नवलखा की जगह राउ तक जाना चाहिए। इस पर तय हुआ कि सात फरवरी को फिर सभी सुझाव लेकर चर्चा की जाएगी। लेकिन उधर पीडब्ल्यूडी द्वारा इस पर काम शुरू कर दिया गया है और स्वाइल टेस्टिंग हो रही है।

10 करोड़ होंगे खर्च, आईडीए ने वर्ष 2012 में डाली थी स्टार्म वॉटर, ड्रेनेज व नर्मदा लाइन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने एबी रोड पर लगभग 6 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड ब्रिज के निर्माण की योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके तहत एबी रोड पर टीनशेड की दीवार खड़ी की जा रही है। इसके बाद खुदाई जल्दी शुरू हो सकती है। नगर निगम ने ब्रिज निर्माण से यूटिलिटी और लाइनों को होने वाले नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। निगम अधिकारियों के अनुसार आईडीए द्वारा बीआरटीएस सड़क के निर्माण के 2012 में यहां स्टार्म वॉटर, ड्रेनेज सिस्टम और नर्मदा जलापूर्ति की पाइप लाइन डाली गई थी। इस लाइन को अब एलिवेटेड ब्रिज की डिजाइन के अनुसार शिफ्ट किया जाएगा। हाल ही में हुई एक बैठक में शामिल स्ट्रक्चर इंजीनियर अतुल सेठ ने भी इस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब ब्रिज की डिजाइन और ड्राइंग को लेकर इंदौर के जनप्रतिनिधि विचार-विमर्श कर रहे हैं और सुझाव लिए जा रहे हैं, तो फिर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को इतनी जल्दबाजी क्यों है? उन्होंने कहा कि जब तक बैठकों में अंतिम फैसला न हो जाए, तब तक निर्माण कार्य को लेकर जल्दबाजी उचित नहीं है।

एबी रोड पर 10 मीटर तकगहरे चैंबर-लाइन शिफ्टिंग की अनुमानित लागत लगभग 10 करोड़रु. आंकी जा रही है, जिसकी भरपाई पीडब्ल्यूडी से कराने की तैयारी है। एबी रोडपर ड्रेनेज, वॉटर सप्लाई और स्टार्म वॉटर की लाइनें करीब 10 मीटर नीचे तक चैंबर बनाए गए थे, जो अब एलिवेटेड ब्रिज के पिलरों की डिजाइन के अनुसार शिफ्ट होंगे।

ब्रिज निर्माण में 6 साल का लगेगा समय-निगम लाइन शिफ्टिंग को लेकर कास्ट सर्व कर रहा है। अनुमान है कि ब्रिज निर्माण शुरू होते ही करीब 6 किमी की लाइन शिफ्ट करने में लगभग एक साल का समय लगेगा। इस दौरान सड़क का बड़ा हिस्सा खुदा रहेगा।

रावजी बाजार में नाले पर कब्जा कर बनाए 21 मकानों पर नगर निगम का चला हथौड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम की रिमूवल टीम ने रावजी बाजार में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। यहां नाले पर कब्जा कर बनाए गए 21 मकानों के कुछ हिस्से को तोड़ा गया। लोग अतिक्रमण हटाने के लिए समय मांग रहे थे, पर टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी। दरअसल, अतिक्रमणकारियों को कब्जा हटाने के लिए एक महीने का समय दिया गया था और यह अवधि पूरी होने पर भी लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। लोगों का कहना था कि यदि नगर निगम ने पर्याप्त समय नहीं दिया तो हम स्वयं बाधक हिस्सा हटाने के लिए सहमत थे। इस दौरान नगर निगम की 4 टीमों के साथ ही रावजी बाजार थाने का पुलिस बल और 3 जेसीबी मशीनें लगी थीं। हरसिद्धि जोन के भवन अधिकारी वैभव देवलासे ने बताया कि पिछले दिनों निगम कमिश्नर क्षितिज सिघल सहित अन्य अधिकारियों ने क्षेत्र का दौरा किया था और नाले पर हुआ अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद इलाके का सर्वे कराया गया था, जिसमें 21 मकान नाले पर बने पाए गए थे।

रैपिडो ड्राइवर पर दुष्कर्म केस के बाद सख्ती, 12 बाइक जब्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में रैपिडो बाइक टैक्सी ड्राइवर द्वारा नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इसके बाद आरटीओ ने बिना ट्रेड लाइसेंस चल रही सेवाओं पर कार्रवाई की। इंदौर में रैपिडो बाइक टैक्सी ड्राइवर द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म का केस सामने आने के बाद अब कार्रवाई के लिए अधिकारी जागे हैं। यह बाइक लंबे समय से बिना ट्रेड लाइसेंस के चल रही है। न ही चालकों का पुलिस सत्यापन हुआ।

इसके बाद कई बार इन्हें नोटिस दिए गए। लेकिन बात केवल नोटिस-नोटिस तक ही रही और आरटीओ अधिकारी चुप्पी साधकर बैठ गए। अब नाबालिग के साथ दुष्कर्म केस के बाद अधिकारियों ने फिर ठंडी फाइल को वापस निकाला है। इंदौर में बिना वैध ट्रेड लाइसेंस के संचालित हो रही ऑनलाइन

बाइक टैक्सी सेवाओं पर अब परिवहन विभाग ने गुरुवार को कार्रवाई की। तीन दिन पहले रैपिडो के अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि अब पुलिस की मदद से ऐप को बंद करवाने की कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ अर्चना मिश्रा और एआरटीओ राजेश गुप्ता की टीम ने गुरुवार को ग्राहक बनकर रैपिडो की 12 बाइक टैक्सी जाने के लिए बुक की। इनके बाद के बाद इन्हें जब्त किया गया। यह जब्ती बिना वैध ट्रेड लाइसेंस के संचालन के लिए हुई।

कंपनी को नोटिस, ऐप बंद करने के निर्देश-एआरटीओ ने बताया कि घटना सामने आते ही रैपिडो ट्रांसपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस जारी हुआ है। इसमें तत्काल ऑनलाइन मोबाइल एप्लिकेशन बंद करने और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया तो एकतरफा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई की मांग-एआरटीओ ने बताया कि वर्ष 2021 से 2024 तक कई बार संबंधित कंपनियों की मोबाइल एप्लिकेशन बंद कराने और कानूनी कार्रवाई के लिए पत्राचार किया गया। लेकिन ऐप पर प्रत्यक्ष नियंत्रण न होने के कारण इन्हें बंद नहीं कराया जा सका। अब पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की जा रही है।

हाल ही में इंदौर में एक गंभीर घटना सामने आई, जिसमें रैपिडो बाइक टैक्सी चालक पर 17 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कपड़े दिलाने के बहाने नाबालिग को अपने कमरे पर ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। राजेश बड़कर ने आरोप लगाया कि बीते साल इंदौर में पांच घटनाएं महिलाओं के साथ हुई है। पिछले तीन वर्षों में इंदौर परिवहन विभाग को 12 से अधिक ज्ञापन रैपिड को बंद करने के लिए दिए गए। हालांकि, परिवहन विभाग ने इस पर सख्ती नहीं की। घरेलू उपयोग की बाइक, कमर्शियल रूप से संचालित हो रही है।

ऑफिस छोड़कर चले गए अधिकारी

इंदौर ऑटो रिक्शा चालकों महासंघ के संस्थापक राजेश बड़कर ने कहा कि रैपिडो कार्यालय में बंद हो गया है। लेकिन बेंगलुरु कार्यालय ने इस एप्लीकेशन को इंदौर से बंद नहीं किया है। इस गंभीर घटना के लिए इंदौर परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ही जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाए कि इंदौर परिवहन विभाग से ऑनलाइन कंपनी रैपिडो को ट्रेड लाइसेंस नहीं है। इंदौर में व्यवसाय करने का अधिकार नहीं है। रैपिडो बाइक चालकों का चालकों का चरित्र सत्यापन भी पुलिस से नहीं है। इसलिए अवैध रूप से इंदौर में 8000 से अधिक बाइक टैक्सियां संचालित हो रही है।

वाह इंदौर पुलिस, स्वाद और खुशबू से यूरिया को बताया 2 करोड़ की ड्रग्स, निर्दोष 11 माह जेल में भी रहे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर पुलिस ने एक साल पहले जिस दो करोड़ की ड्रग्स को जब्त बताया था, वह जांच में यूरिया निकली। आरोपियों को 11 महीने जेल में रहना पड़ा। कोर्ट ने आरोपियों को बरी कर दिया। एमपी अजब है, सबसे गजब है। टूरिज्म के लिए यह चर्चित डायलाग इंदौर पुलिस और ज्यादा सटीक बैठता है। एक साल पहले आरोपियों से दो करोड़ की एमडी ड्रग्स जब्ती बताई गई। आरोपियों पर केस बना और वह 11 माह जेल रहे। अब कई लैब से पुष्टि हो गई है कि वह तो ड्रग्स थी ही नहीं यूरिया थी। करीब साल पहले दो करोड़ की एम डी ड्रग्स जब्ती जांच के बाद यूरिया निकलने के मामले में डीसीपी ने इस चूक को माना है। डीसीपी कृष्ण लालचंदानी ने कबूल किया कि कार्रवाई के वक्त जांच पुलिसकर्मियों के पास टेस्टिंग ही नहीं थी। जब्त अवैध मादक पदार्थ को खुशबू और स्वाद के आधार जब्त किया गया था। जो अब यूरिया निकला।

एक साल पहले इंदौर पुलिस के जोन वन के अंतर्गत आने वाले तेजाजी नगर थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो करोड़ की एम डी ड्रग्स जब्त होने का दावा किया था। साथ ही मौके से दो आरोपियों को पकड़ने और उनका सहयोग करने में दो अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया था। इसमें आजाद

नगर थाने के आरक्षक लखन गुप्ता को भी ड्रग्स पैडलर की मदद के आरोप में आरोपी बनाया था। इस मामले में सभी आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया था। आरक्षक गुप्ता को भी 15 दिन जेल रहना पडा। वहीं बाकी आरोपी 11 माह जेल में रहे और अब बाहर आए हैं। इस जब्त की गई ड्रग्स को भोपाल स्थित सेंटल फोरेंसिक लैब से जांच करवाई तो ड्रग्स नहीं बल्कि यूरिया निकला। इस मामले में फिर पुलिस ने सेन्ट्रल लेब हैदराबाद से जांच का प्रतिवेदन दिया। कोर्ट के आदेश पर फिर से सेंपल की जांच करवाई गई, जब हैदराबाद से आई रिपोर्ट देखी गई तो उसमें भी एमडी ड्रग्स की जगह यूरिया ही निकला। इस पर कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। डीसीपी लालचंदानी का यह भी कहना है कि कुछ ड्रग तस्कर अपने खरीददारों से धोखाधड़ी करते हैं और ड्रग्स की जगह यूरिया सप्लाय कर देते हैं। जांच में एमडी ड्रग्स पोटेशियम नाइट्रेट निकला, जिसके बाद पुलिस ने प्रतिवेदन पेश कर आरोपियों को बरी करवाया है। वहीं आरोपियों के अधिवक्ता रोहित सरतोरे ने कहा कि यह पूरी तरीके से विभागीय द्वेष भावना थी। पुलिस ने यह कार्रवाई पुलिस कमिशनर के सामने अपने नंबर बढ़ाने के लिए की थी। लगातार इस तरीके के प्रकरण थाने में बनाए जा रहे हैं।

इस तरह पुलिस ने बताई थी कहानी

मामला 26 फरवरी 2025 का है। पुलिस की कहानी के अनुसार कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर तेजाजी नगर थाने के एएसआई मनोज दुबे, प्रधान आरक्षक देवेंद्र परिहार, अभिनव शर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी एबी रोड बायपास स्थित कस्तूरबा ग्राम पहुंचे। वहां सड़क किनारे बाइक पर बैठे दो युवकों को रोका तो वह दोनों भागने लगे, फिर उन्हें पकड़ा गया उनकी पहचान विजय पाटीदार निवासी मंदसौर और मोहम्मद शाहनवाज निवासी आजाद नगर के रूप में हुई। शाहनवाज की जेब से पाउडरनुमा पदार्थ, जिसे पुलिस ने एमडी ड्रग बताकर पंचनामा तैयार किया और वजन 198 ग्राम दर्शाते हुए इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत करीब दो करोड़ रुपए आंकी गई। दोनों आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत गिरफ्तार किया गया। बाद में शाहनवाज के बयान के आधार पर आजाद नगर थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी लखन गुप्ता को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।